हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 2 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 27 .5 डिग्री
न्यूनतम 12 .5 डिग्री

10 367 बूथों पर 3.88 लाख मतदाता करेंगे मतदान

10 भगवान शिव संत आत्माओं के परमपिता परमेश्वर

खबर संक्षेप

रोडवेज बस की टक्कर से युवक की मौत

इसराना। पानीपत के गांव इसराना में बाइक को हरियाणा रोडवेज की बस ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक 45 वर्षीय रिंकू मूल निवासी अलवर, राजस्थान हाल निवासी इसराना रेलवे फाटक के पास झुग्गी की मौत हो गई। इसराना थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रिंकू का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। जबकि मृतक के भाई शशि की शिकायत पर रोडवेज बस के चालक के खिलाफ गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इको वैन की टक्कर से बाइक चालक की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव नैन के पास इको वैन ने बाइक चालक विशाल को टक्कर मार दी। हादसे में विशाल मूल निवासी गांव बल्ला जिला करनाल हाल निवासी गांव अटावला जिला की मौत हो गई। वहीं हादसा विशाल के पिता रविंद्र के सामने हुआ। रविंद्र ने बताया कि विशाल, फैक्टरी में काम करता है। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम के बार विशाल का शव उसके पिता रविंद्र को सौंप दिया और इको वैन चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब के नशे में हुड़दंग करते तीन गिरफ्तार

पानीपत। थाना समालखा की हलदाना चौकी पुलिस टीम ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग कर रहे दीपक पुत्र सतबीर, बिल्लू पुत्र सुरेश व विनोद पुत्र बलवान निवासी गांव देहरा जिला पानीपत को गिरफ्तार किया है। हलदाना चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर कुलदीप ने बताया कि तीन युवक शराब के नशे में थे, तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना समालखा में बीएनएस की धारा 194 के तहत केस दर्ज किया गया है।

डिपोर्ट हुए युवक ने दी शिकायत, दो नामजद

पानीपत। पानीपत की मुखीजा कॉलोनी निवासी शुभम को अमेरिका से डिपोर्ट कर दिया गया। शुभम करीब एक माह पहले 28 जनवरी को मैक्सिको की दीवार फांदकर अमेरिका में घुसा था। वहीं, शुभम की शिकायत पर थाना मॉडल टउन पुलिस ने दो सगे भाई एजेंटों के खिलाफ उससे 32 लाख रूपये की ठगी करने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है। शुभम ने बताया कि वह, पानीपत में डिलिवरी ब्वॉय का काम करता था। इस दौरान घर पर दो सगे भाई संदीप व मंदीप निवासी गांव अहर जिला पानीपत आकर मिले। संदीप ने कहा कि वह उसे अमेरिका भिजवा देगा। वहां काम दिलवाने की भी जिम्मेदारी उनकी ही है। आरोपियों ने शुभम का पासपोर्ट और रूपये ले लिए। 28 जनवरी को संदीप ने अमेरिका जाने के लिए उससे दीवार कूदवा दी। जहां उसे अमेरिका पुलिस ने पकड़ लिया और उसे कैंप में डाल दिया। अमेरिका पुलिस ने गैर कानूनी पाए जाने पर वापस पनामा भेज दिया। वहां से 28 फरवरी को उसे दिल्ली एयरपोर्ट वापस भेज दिया।

शादी समारोह में गहनों-नकदी से भरा बैग लेकर बालक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला-जगाधरी हाईवे स्थित साहा के पास एक शादी समारोह के दौरान एक बच्चा बैग चोरी कर फरार हो गया। शादी में शामिल एक 13 साल के बच्चे ने इस वारदात को अंजाम दिया। बच्चा दूल्हे के पिता का लाखों के जेवर और नकदी से भरा बैग चुरा लिया। घटना 25 फरवरी को जश्न पैलेस तेपला में हुई। यहां यमुनानगर की प्रोफेसर कॉलोनी के रहने वाले राकेश धीमान के बेटे अमन धीमान की शादी मंगलई की वैशाली के साथ हो रही थी। राकेश धीमान ने बताया कि वह शादी में अपने साथ एक काले रंग का बैग लाए थे, जिसमें दुल्हन की ज्वेलरी—हार, अंगूठी, कान के कांटे, चार तोले सोने का मंगलसूत्र और 65,000 रुपये की नकदी थी।

सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, चोरी करने वाला बच्चा किसी आम मेहमान की तरह शादी में शामिल हुआ। वह सूट-बूट पहनकर रिश्तेदारों के बीच बैठा और सही मौका मिलते ही बैग लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से बच्चे की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

इंतजार करते रहे लड़की पक्ष के लोग, नहीं पहुंची बारात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- शादी में बड़ी कार व दस लाख रुपये मांगने का आरोप
- आरोपी लड़के समेत परिवार के पांच लोगों पर केस दर्ज

जिले के थाना छप्पर क्षेत्र के एक गांव में आयोजित शादी समारोह में दूल्हे पक्ष के लोग बारात लेकर नहीं पहुंचे। पैलेस में आयोजित शादी समारोह में बारात के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थी। इंतजार के बाद जब लड़की पक्ष ने लड़के के पिता को फोन किया तो पहले तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। बाद में फोन करके शादी में बड़ी कार व 10 लाख रुपये की मांग की। बड़ी कार व 10 लाख रुपये न देने पर आरोपियों ने बारात लेकर आने से मना कर दिया। लड़की के पिता ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी लड़के व उसके परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार थाना छप्पर क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पास एक लड़क व लड़की है। उसकी 22 वर्षीय लड़की बीकॉम पास है। उसने अपनी लड़की की सगाई अंबाला के रामपुरा चौक स्थित आजाद नगर कॉलोनी निवासी गगनदीप के साथ की थी। आरोपी युवक फौजी है। उसने अपनी लड़की की सगाई में तीन से चार लाख रुपये खर्च किए थे। उसने शादी के लिए 24 फरवरी का दिन तय था। जिसके लिए उसने पाबनी रोड स्थित रोयल ग्रीन फार्म बुक किया था। 23 फरवरी को वह रिश्तेदारों के साथ आरोपियों के घर सगन लेकर गए थे। जहां उन्होंने स्त्रीधन आरोपियों को दे दिया था। 24 फरवरी को पैलेस में बारात आनी थी। उन्होंने बारात के स्वागत की सभी तैयारियां पूरी कर ली थी। उनकी तरफ से सभी मेहमान पैलेस में आ गए थे। मगर बारात 12 बजे तक भी पैलेस में नहीं पहुंची। इंतजार करने के बाद जब उसने लड़के के पिता कुलदीप सिंह को फोन किया तो पहले उन्होंने फोन नहीं उठाया। बाद में उसके पास आरोपी का मैसेज आया और कहा कि वह बारात लेकर नहीं आएगें। उन्होंने शादी में बड़ी कार देने का इंतजाम नहीं किया हुआ है। उसने कहा कि अगर बारात बुलवानी है तो शादी में बड़ी कार व 10 लाख रुपये देने होंगे। अगर वह ऐसा नहीं करते तो बारात नहीं आएगी। इसके बाद उन्होंने शादी का कार्यक्रम कैंसल कर दिया। जिससे उनकी सामाज में बदनामी हुई है। लड़की के पिता ने बताया कि जांच के दौरान उन्हें पता चला कि दहेज के लालच में उस लड़के के दो रिश्ते पहले भी टूट चुके हैं।

उसने आरोप लगाया कि गगनदीप, कुलदीप, रणजीत कौर, हरविंद्र कौर और गुरमेल सिंह दहेज के लालच में बारात लेकर नहीं आए। उसने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव तंदवाल में 20 फीट तक घसीटते हुए चली निजी स्कूल वैन

छात्रों को ले जा रही स्कूल वैन का निकला पहिया, हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

- वैन ड्राइवर ने नहीं सुनी ग्रामीणों की आवाज

गांव तंदवाल में शनिवार को सुबह उस वक्त एक बड़ा हादसा टल गया जब बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक निजी स्कूल की वैन का पिछला पहिया निकल गया। इस हादसे में किसी भी प्रकार की कोई अनहोनी नहीं हुई। गांव अधोई स्थित एक निजी स्कूल की प्राइवेट वैन सुबह के समय गांव तंदवाल से बच्चों को स्कूल लेकर जा रही थी। जब बच्चों से भरी वैन सडक़ से गुजर रही थी तो ग्रामीणों ने देखा कि वैन का पिछला पहिया निकलने वाला है। इसके बाद ग्रामीणों ने वैन चलाने वाले ड्राइवर को आवाज देकर गाड़ी रोकने को भी कहा लेकिन उसने गाड़ी को नहीं रोका। गांव से बाहर निकलते ही लगभग 500 मीटर चलने के बाद तेज रफ्तार स्कूल वैन का पिछला पहिया निकल गया। वैन बिना पहिए के लगभग 20 फीट तक सडक़ पर घसीटते हुए चली। सडक़ पर बिना पहिए की गाड़ी चलती देख वैन के अंदर बैठे मासूम बच्चे डर गए और चीखने चिल्लाने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

वैन लगभग 20 मीटर तक चलने के बाद रूक गई। इसकी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। उसके बाद जब ग्रामीणों ने ड्राइवर को खूब खरी-खोटी सुनाई लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद भी वहर कुछ नहीं बोला। ग्रामीणों को बाद में पता चला कि ड्राइवर शायद कुछ नशे में था। इसी वजह से उसने ग्रामीणों की आवाजों पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद ड्राइवर ने दूसरी गाड़ी को मौके पर बुलाया7 गाड़ी में 7 से 8 बच्चे सवार थे।

बराड़ा। सड़क किनारे खड़ी प्राइवेट स्कूल की वैन, जिसका निकला था पहिया।

प्राइवेट गाड़ी से बच्चों को ढो रहे स्कूल

जिस स्कूल की यह वैन बताई जा रही है। उस स्कूल ने नियमानुसार स्कूल बस की बजाय प्राइवेट वैन को बच्चों को लाने ले जाने के लिए लगा रखा है जोकि गलत है। न ही इस वैन में कोई सहायक मौजूद था और न ही यह स्कूल बस के लिए निर्धारित मापदंडो के अनुसार थी। ग्रामीणों ने स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाने की मांग की है।

आज निकाय चुनावों को लेकर रहेगा अवकाश

करनाल। आज निकाय चुनावों को लेकर प्रदेशभर में अवकाश रहेगा। यद्यपि 2 मार्च रविवार का दिन है इसलिए सभी सरकारी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों और शैक्षणिक संस्थानों में स्थानीय शहरी निकाय संस्थानों में चुनावों के दृष्टिगत अवकाश रहेगा। मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार ने इस विषय में धारा 135बी के अन्तर्गत आदेश जारी किये हैं कि किसी भी व्यापार, व्यवसाय, औद्योगिक प्रतिष्ठानों अथवा ऐसे किसी भी निजी संस्थान में कार्यरत उन कर्मियों के लिए 2 मार्च को वेतन सहित अवकाश रहेगा जिनकी वोट इन नगर निगमों/परिषदों अथवा पालिकाओं में है। इस छुट्टी के लिए न तो मालिक कोई छुट्टी काटेगा और न ही इसके लिए वेतन में कटौती की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया 2 मार्च को संबंधित नगर निकायों में सभी फैक्ट्रियां बंद रखने के आदेश जारी किये गये हैं। इन सभी फैक्ट्रियों में कार्यरत उन कर्मचारियों के लिए वेतन सहित अवकाश रहेगा जिनके वोट इन शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में डाले जाने हैं। श्रम आयुक्त ने यह भी आदेश जारी किये हैं कि सभी दुकानें एवं व्यवसायिक संस्थान अपने उन कर्मियों के लिए वेतन सहित अवकाश देंगे जिनके वोट इन शहरी स्थानीय निकायों में बने हुये हैं।

पिपली नीलधारी गुरुद्वारा साहब में मुख्यमंत्री सैनी ने टेका माथा

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते नीलधारी गुरुद्वारा साहब पिपली के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

- तीन गुणा गति से विकास करवाने की सरकार की गारंटी : सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नगर निकाय के चुनावों का प्रचार-प्रसार बंद होने के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सीधा हल्का लाडवा में पहुंचे। यहां पर फुर्सत के अहम क्षणों को हल्का के नागरिकों के साथ बिताया। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हल्का के नागरिकों के साथ मन की बात को सांझा किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को अचानक हलका लाडवा में नागरिकों के साथ मन की बात को सांझा करने के लिए पहुंचे। मुख्यमंत्री सबसे पहले हल्का के नीलधारी गुरुद्वारा साहब पिपली में पहुंचे और यहां पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रीगुरु ग्रंथ साहब को माथा टेका और प्रसाद ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के नागरिकों की सुख शांति के लिए अरदास भी की। इस दौरान पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा और भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील राणा, भाजपा प्रदेश सचिव राहुल राणा ने भी श्री गुरु ग्रंथ साहब को माथा टेका और प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हल्का लाडवा के कुनाल शर्मा, पंकज बजाज, राजन वडेरा, लक्की गर्ग, पवन अटवाल, नीरज अग्रवाल सहित अन्य नागरिकों से अपने मन की बात को सांझा किया और उनके परिवारजन का हाल चाल भी पूछा।

पुलिस कंट्रोल रूम को लूट की झूठी सूचना देना युवक को पड़ा महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर किया गिरफ्तार
- आरोपी युवक ने एक लाख 20 हजार रुपये, अंगूठी व चेन लूटने की दी थी सूचना

पुलिस कंट्रोल रूप में लूट की झूठी सूचना देना एक युवक को महंगा पड़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के दौरान लूट की सूचना झूठी मिली। बाद में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने शराब पी हुई थी। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल करवाकर उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक ने शराब के नशे में पुलिस कंट्रोल रूम में कार सवार दो लड़कों द्वारा उससे एक लाख 20 हजार रुपये कैश, सोने की अंगूठी व चेन लूटने की सूचना दी थी।

थाना छप्पर पुलिस थाने में तैनात एएसआई राजेंद्र ने बताया कि रात को करीब पौने दस उसे पुलिस कंट्रोल रूप में सूचना आई कि गांव जागधौली के पास कार सवार दो युवकों ने गांव जागधौली निवासी विजय कुमार से एक लाख 20 हजार रुपये कैश, सोने की अंगूठी, चांदी की चेन तथा जरूरी दस्तावेज लूट किए हैं।

नशे में था आरोपी

सूचना मिलते ही वह सिपाही प्रिंस पाल के साथ पुलिस गाड़ी में उक्त स्थान पर पहुंचा। जागधौली के पास सड़क पर उन्हें एक युवक मिला। आरोपी ने नशा किया हुआ था। जो कि सड़क से गुजरने वाले लोगों से ऊंची आवाज में बात कर रहा था। उन्होंने युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम विजय पाल बताया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने शराब के नशे में पहले भी पुलिस कंट्रोल रूप में फोन कर पुलिस को गुमराह किया है। पुलिस टीम को जब लूट की झूठी सूचना का पता चला तो टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी को सिविल अस्पताल में ले जाकर उसका मेडिकल करवाया। बाद में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 355 व 217 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

स्वास्थ्य विभाग ने नकली ग्राहक भेज एमटीपी किट खरीदी, 61 दवाएं जब्त कर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त हरियाणा और राज्य औषधि नियंत्रक हरियाणा के निर्देशानुसार, हरियाणा में एमटीपी किट की अवैध बिक्री की जांच करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी, जिसे लेकर सिविल सर्जन, करनाल ने एमटीपी किट की अवैध बिक्री पर शिकंजा कसने के लिए उप सिविल सर्जन व नोडल अधिकारी एमटीपी डॉ शीनू चौधरी, औषधि नियंत्रण अधिकारी करनाल-द्वितीय रितु मेहला और औषधि नियंत्रण अधिकारी, करनाल-प्रथम विकास राठी की एक टीम गठित की गई।

औषधि नियंत्रण अधिकारी विकास राठी ने बताया कि टीम ने 28 फरवरी की रात में निकट माता मंदिर, शिव कॉलोनी, करनाल में स्थित परवीन क्लिनिक पर एक नकली ग्राहक बनाकर एमटीपी किट खरीदने के लिए भेजा और उक्त क्लिनिक के प्रभारी परवीन ने गर्भावस्था के चिकित्सीय समापन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एमटीपी किट नकली ग्राहक को बेच दी और इसके लिए एक हजार रुपये का शुल्क लिया। फिर टीम ने उस परिसर में छापेमारी की। टीम ने बेची गई एमटीपी किट और पांच सौ रुपये के दो नोट बरामद भी किए। उन्होंने बताया कि टीम ने उक्त परिसर की भी तलाशी ली और बिक्री के लिए भारी मात्रा में विभिन्न प्रकार की एलोपैथिक दवाएं रखी हुई मिलीं। उक्त क्लिनिक के प्रभारी परवीन सिंह ने वैध दवा लाइसेंस या डिग्री नहीं दिखाई जो उन्हें एलोपैथिक दवाओं के प्रदर्शन, बिक्री, स्टॉक और अभ्यास करने की अनुमति देती है। टीम ने उसके क्लीनिक में स्टॉक की गई 61 प्रकार की दवाओं के साथ-साथ बेची गई एमटीपी किट को भी जब्त कर लिया।

क्लीनिक के मालिक ने बरामद एलोपैथिक दवाओं और उनके द्वारा बेची गई एमटीपी किट का खरीद रिकॉर्ड पेश नहीं किया। परिसर के मालिक के खिलाफ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में केयू महिला टीम चैम्पियन

- ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के न्यू जिम्नेजियम हॉल में 24 फरवरी से 1 मार्च के बीच आयोजित नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में केयू महिला बास्केटबॉल ने इतिहास रचते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने केयू महिला बास्केटबाल टीम के सभी खिलाड़ियों, कोच एवं खेल निदेशक प्रो. डीएस राणा को इसके लिए बधाई दी। कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने विजेता केयू महिला बास्केटबॉल टीम की सभी महिला खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित करते हुए कहा कि वर्तमान में हमारी बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी रहकर विश्वविद्यालय, राज्य एवं देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षित होने तथा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने से ही देश तरक्की कर सकता है। शिक्षा, शोध, विज्ञान तथा खेल सहित सांस्कृतिक क्षेत्रों में हमारी बेटियां बेटों से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि केयू महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में केयू को गौरवान्वित किया है। उन्होंने 3 से 8 मार्च के बीच आयोजित होने वाले ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए भी केयू महिला बास्केटबॉल खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में लगभग 41 विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया था। उन्होंने बताया कि 3 मार्च से 8 मार्च 2025 के बीच कुवि के न्यू जिम्नेजियम हॉल में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। इस मौके पर खेल निदेशक प्रो. डीएस राणा, कोच राजेश राजौंद, राजेश मैहला, मोनिका, मलकीत सिंह तथा डॉ. राजेश सोबती आदि मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र। विजेता टीम के खिलाड़ी।

देसी कट्टा और मैगजीन समेत युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। सीआईए वन पुलिस टीम ने अधोया टी प्वाइंट से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देसी कट्टा, मैगजीन व सात जिंदा राउंड बरामद किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सीआईए वन पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि पठान मौहल्ला सरस्वती नगर निवासी अनिकेत जोरावर ने अपने पास देसी कट्टा रखा हुआ है। आरोपी इस समय अधोया मोड के पास घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने अधोया मोड पर जाकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से देसी कट्टा, एक मैगजीन जिसमें दो जिंदा राउंड थे बरामद किए।

सरकारी काम में बाधा पहुंचाने पर तीन आरोपी किए गिरफ्तार

पिहोवा। पुलिस ने सरकारी काम में बाधा पहुँचाने, सरकारी कर्मचारी सीबीआई निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह पर हमला करने के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सदर पिहोवा पुलिस की टीम ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने तथा सरकारी कर्मचारी पर हमला करने के आरोपी वरुनजीत सिंह वासी गुमथला गढ़ु, खुशदीप सिंह वासी भेगपुर जिला कैथल व निशान सिंह वासी मांगना जिला कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना सदर पेहवा के अंतर्गत पुलिस चौंकी गुमथला गढ़ू पुलिस को दी अपनी शिकायत में सीबीआई निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि 27 फरवरी को वह थाना सदर पिहोवा एरिया में वेरिफिकेशन करने आया था। समय करीब 6 बजे शाम को हरिगढ़-भोरख में वेरिफिकेशन कम्पलीट करने के बाद वह गांव मांगना पहुंचा जहां पर उसने गांव के व्यक्तियों से निशान सिंह के घर का पता पूछकर उसका दरवाजा खटखटाया। उसने निशान सिंह को अपना परिचय दिया और अपना पहचान पत्र दिखाया। उसके बाद निशान सिंह द्वारा उसकी बात फोन पर जसवरण से करवाई। कुछ देर बाद निशान सिंह ने बाहर से 5/6 लडके बुला लिए। उन लडकों ने आते ही उसके साथ गाली गलौज करनी शुरू कर दी। जब उसने उनका विरोध किया तो उन लडको ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

सिरसल में कार की टक्कर से युवक घायल

कैथल। गांव सिरसल में कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। गांव सरना खेड़ी जिला जींद की सोनिया ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 15 नवंबर को जब वह अपने पति अजय के साथ गांव सिरसल से गुजर रही थी तो एक अज्ञात कर चालक ने अपनी कर को तेज गति और लापरवाही से चलते हुए उसके पति अजय को घायल कर दिया। घटना के बाद में आरोपी मौके से फरार हो गया। एसआई विक्रम ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लिवइन में रह रही युवती का अपहरण, केस दर्ज

कैथल। तितरम पुलिस ने लिव इन रिलेशन में रह रही युवती को अपहरण करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव काकौत के रोहतास ने शिकायत में बताया कि उसके साथ आशा नामक महिला लिव इन रिलेशन में रह रही थी। अर्जुन नगर कैथल के सुमित ने 27 फरवरी को गांव काकौत से आशा का अपहरण कर लिया। तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। एएसआई रोहतास घटना की पुष्टि की।

रास्ता रोककर युवक को डंडों से पीटा, 3 पर केस

कैथल। शहर के विश्वकर्मा चौक पर हुई मारपीट में एक युवक घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सचिन ने शहर पुलिस को बताया कि 28 फरवरी को जब वह विश्वकर्मा चौक के निकट से गुजर रहा था तो तीन व्यक्तियों ने उसका रास्ता रोकते हुए उसे पर डंडों से हमला करते हुए उसे घायल कर दिया। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। मामले के जांच अधिकारी एएसआई दलबीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कौल में दानपात्र से नकदी चोरी, केस दर्ज

कैथल। गांव कौल दादा खेड़ा के दान पात्र से पैसे चोरी करने के मामले की जांच थाना ढांड पुलिस के एचसी नरेंद्र की टीम द्वारा करते हुए आरोपी रुड़ी लोधिपुर जिला नालंदा बिहार निवासी अखिलेश को काबु कर लिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि गांव कौल दादा खेड़ा कमेटी प्रधान मनीष कुमार ने बताया कि 9 जनवरी की रात अज्ञात व्यक्ति दादा खेड़ा के दानपात्र का गुल्लक तोड़कर चोरी करके ले गया। जिस बारे थाना ढांड में मामला दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी के कब्जे से 370 रुपए बरामद किए गए। पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

गुंदियाना क्षेत्र के दर्जनों गांव में फसलों को पहुंचा भारी नुकसान

आसमान से बरसी सफेद आफत ने किसानों के सपनों पर बरपाया कहर

ओलावृष्टि से जिले के गुंदियाना क्षेत्र के दर्जनों गांव में फसलों को पहुंचा भारी नुक्सान, किसानों ने मांगा मुआवजा तापमान में आई गिरावट

यमुनानगर। गुंदियाना क्षेत्र में ओलावृष्टि में गुजरते हुए वाहन और खेतों में बिछी हुई गेहूं की फसल। *फोटो: हरिभूममि।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

खेतों में लहलहा रही गेहूं, चारा व सरसों समेत सब्जी की फसलों पर शुक्रवार देर शाम हुई ओलावृष्टि ने कहर बरपा दिया। इस दौरान कई स्थानों पर गेहूं की फसल नीचे खेतों में बिछ गई और पकी खड़ी सरसों की फसल की फलियां छलनी हो गई। किसानों के मुताबिक चारा व सब्जी की फसलों को भी भारी नुक्सान पहुंचा है। भारतीय किसान यूनियन(चढ़ूनी) व किसानों ने सरकार से ओलावृष्टि में खराब हुई फसलों के नुक्सान की भरपाई के लिए मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

शुक्रवार देर शाम अचानक आसमान में घने बादल छा गए और और बिजली कड़कने लगी। कुछ ही देर में जिले में हवा के साथ बारिश शुरु हो गई। इस दौरान गुंदियाना समेत क्षेत्र के गुंदियानी, भोगपुर, जयसिंह का माजरा बलसुआ, रपौली, शाहपुरा, मसाना, ऊंचा चांदना, राम नगर, दौलतपुर, सतगौली, दामला, जुब्बल, महमदपुर समेत दर्जनों गांव में भारी ओलावृष्टि शुरु हो गई। ओलावृष्टि रुक रुक कर करीब एक घंटे तक चली। इस दौरान बारिश के साथ ओले पड़ने से गेहूं, सरसों, प्याज, गन्ना, चारा व शिमला मिर्च की फसलों को भारी नुक्सान पहुंचा। चारा की फसलें जहां बीच से टूट गई। वहीं, प्याज, शिमला मिर्च की फसल को भारी नुक्सान पहुंचा। कई स्थानों पर खेतों में खड़ी गेहूं की फसल नीचे बिछ गई और खेतों में खड़ी अधपकी सरसों की फसल की फलियों में बने दाने नीचे झड़ गए। जिससे फसलों को भारी नुक्सान पहुंचा।

खराब हुई फसलों का मिले मुआवजा

भारतीय किसान यूनियन(चढ़ूनी) के जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना, किसान रविश कुमार, सतपाल सिंह, रोहन सिंह, जय सिंह व शमशेर आदि ने बताया कि किसानों ने कड़ी मेहनत करके अपनी फसलों को तैयार किया था। मगर शुक्रवार देर शाम अचानक ओलावृष्टि ने उनकी फसलों को भारी नुक्सान पहुंचाया है। जिससे किसानों को काफी आर्थिक नुक्सान हुआ है।

भाकियू के जिला अध्यक्ष संजू गुंदियाना ने सरकार से ओलावृष्टि में खराब हुई फसलों का तुरंत सर्वे करवाकर किसानों को मुआवजा दिए जाने की मांग की। उन्होंने चिंता जताई कि शनिवार को भी दिन भर आसमान में बादल छाए रहे हैं। उन्हें आशंका है कि आगे भी तेज बारिश हो सकती है। जिससे उनकी रही सही फसलें भी नष्ट हो सकती हैं। संजू गुंदियाना का कहना है कि इस समय बारिश का होना गेहूं व सरसों की फसल के लिए नुक्सानदायक है।

ओलावृष्टि से तापमान में आई गिरावट

जिले में ओलावृष्टि होने व शनिवार को आसमान में बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

यमुनानगर। निकाय चुनाव को लेकर फ्लैग मार्च निकालते हुए पुलिस कर्मचारी।

बिना डर व भय के मतदान प्रक्रिया में लें भाग सभी मतदाता: देशवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

निकाय चुनाव निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक संपन्न करवाए को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा यमुनानगर शहर में फ्लैग मार्च निकालकर लोगों को बिना किसी डर व भय के मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए आहवान किया गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व थाना शहर यमुनानगर के प्रभारी नरेंद्र राणा ने किया।

फ्लैग मार्च यमुनानगर के थाना शहर से शुरु होकर विभिन्न चौक चौराहों व नगर के मुख्य रास्तों से होकर निकला। पुलिस ने लोगों को बिना किसी डरध्भय के चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व कर रहे थाना शहर थाना प्रभारी नरेंद्र राणा ने लोगों से अपने मतदान केंद्र पर जाकर बिना डर व भय के मतदान करने की अपील की।

निडरता से करें मतदान

पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल ने बताया कि रविवार को प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए मतदान किया जा रहा है। हरियाणा निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू है। जिला यमुनानगर में निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष कराने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला पुलिस टीमों ने थाना शहर यमुनानगर एरिया में फ्लैग मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि मतदाता पूरी निडरता के साथ अपने विवेक व स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस के द्वारा संदिग्ध किस्म के लोगों पर तथा सोशल मीडिया पर पूरी निगरानी रखी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक राजीव देशवाल ने बताया कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य अराजक तत्वों में भय व्याप्त करना तथा आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करना है। ताकि वे निर्भीक होकर अपना मतदान कर सकें। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों को बिना किसी डर भय के चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। फ्लैग मार्च के दौरान आमजन से यह भी अपील की गई है कि मतदान के दौरान अगर कोई व्यक्ति उन्हें प्रभावित करें तो तुरंत उसकी सूचना पुलिस को दें। ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

अवैध खनन रोकने को निरंतर चलाया जा रहा चैकिंग अभियान: एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला यमुनानगर में किसी भी रूप में अवैध खनन न हो और वैध परमिट के साथ निर्धारित नियमों की पालना करते हुए खनिज परिवहन चलें। इसके लिए खनन विभाग पूरी तरह से सजग एवं सतर्क है। खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के निर्देशानुसार यमुनानगर जिला के खनन विभाग द्वारा नाके लगाकर अवैध खनन करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उक्त जानकारी। छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार ने दी।

एसडीएम ने बताया कि जिला में अवैध खनन एवं परिवहन को रोकने के लिए चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पंचायत विभाग, खनन विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा छछरौली अनाज मंडी के नजदीक नाका, ताहरपुर नाका, ईब्राहिमपुर नाका, भूडकलां प्रतापनगर नाका व जयधरी नहर पुल के पास नाकों पर खनन परिवहन करने वाले वाहनों की निरंतर चैकिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त सभी नाकों पर टीमों को मुस्तैद रहने और निष्ठा से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। अवैध खनन एवं परिवहन को रोकने के लिए सभी टीमें काम कर रही हैं। एसडीएम रोहित कुमार ने कहा कि अवैध खनन करने वालों पर कड़ी करवाई की जाएगी।

विंग कमांडर अभिनंदन से प्रेरित हो रहे युवा

- रोटरी क्लब के कार्यक्रम में भारतीय वायुसेना की एटर स्ट्राइक के दौरान विंग कमांडर अभिनंदन की बहादुरी को किया याद
- बालाकोट की एयर स्ट्राइक में पीओके में जा गिरा था विमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रोटरी क्लब रादौर के तत्वावधान में शनिवार को कस्बा में कार्यक्रम आयोजित कर बालाकोट में भारतीय वायुसेना की एयर स्ट्राइक के दौरान विंग कमांडर अभिनंदन की बहादुरी व शौर्य को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के प्रधान निर्मल सिंह ने की।

क्लब के प्रधान निर्मल सिंह ने बताया कि 14 फरवरी 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। जिसमें देश के 40 जवान शहीद हो गए थे। जिसके बाद 26 फरवरी की रात को भारतीय वायुसेना के 12 मिराज विमानों ने एलओसी से 80 किमी अंदर पाकिस्तान में घुसकर जैश के सबसे बड़े आतंकी अड्डे को तबाह कर दिया। इस बमबारी में 350 आतंकी मारे गए थे। बालाकोट में भारतीय वायुसेना की एयर स्ट्राइक से पाकिस्तान इतना बौखला गया कि अगले दिन यानी 27 फरवरी की सुबह उसने अपने 10 लड़ाकू विमान भेज दिए। इसके बाद पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों को खदेड़ने के लिए भारतीय वायुसेना के इंटरसेप्टर प्लेन मिग 21 ने उड़ान भरी। ऐसे ही एक मिग 21 को विंग कमांडर अभिनंदन वर्तमान उड़ा रहे थे। उन्होंने पाकिस्तानी वायुसेना के एफ.16 विमान को मार गिराया। हालांकि बाद में मिग 21 क्रैश हो गया और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जा गिरा।

पाक सेना ने पकड़ा

अभिनंदन को पाकिस्तानी सेना ने पकड़ लिया। उनके साथ मारपीट की। बाद में जब भारत ने दबाव बनाया। तब जाकर पाकिस्तान ने अभिनंदन को रिहा करने पर राजी हुआ। 58 घंटे तक पाक की गिरफ्त में रहने के बाद अभिनंदन आज ही के दिन 1 मार्च को रात 9 बजकर 20 मिनट पर वाघा अटारी बॉर्डर से भारत पहुंचे थे। अभिनंदन की रिहाई को लेकर पाकिस्तान ने बहुत नाटक किए। वहां के कुछ संगठनों ने रिहाई के खिलाफ इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका भी लगाई। देश में प्रदर्शन भी हुए। हालांकि दबाव के बाद छोड़ने पर तैयार होना ही पड़ा। उसके बाद भी पाकिस्तान ने उनकी रिहाई 9 घंटे तक लटकाए रखी। पहले कहा कि दोपहर 12 बजे तक लौटा देंगे। फिर बोला कि 4 बजे और बाद में कहा कि 6 बजकर 30 मिनट पर सौपेंगे। आखिरकार रात 9 बजकर 20 मिनट पर उन्हे भेजा गया। उन्होने बताया कि अभिनंदन ने मिग-21 से एफ.16 को मार गिराया था। इससे दुनियाभर में उनकी तारीफ हुई। वो इसलिए क्योंकि एफ.16 बहुत ही एडवांस्ड फाइटर प्लेन था। जिसे अमेरिका ने बनाया था। जबकि मिग 21 रूस में बना 60 साल पुराना विमान था। इस बारे में रूस की मीडिया ने अभिनंदन की जमकर तारीफ की थी। वहां रिपोर्ट में कहा गया था कि ये कहना सही नहीं होगा कि मिग 21 ने एफ.16 को मार गिराया। बल्कि ये कहना सही होगा कि मिग 21 से एफ.16 को मार गिराने में ज्यादा अहम भूमिका मिग 21 में सवार पायलट की होगी।

यमुनानगर। गांव संधाय में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक समिति के पूर्व अध्यक्ष को जल संचालन पुस्तिका भेंट करती रजनी गोयल।

संधाय गांव में ग्रामीणों को जल संरक्षण के बारे किया जागरूक

यमुनानगर। गांव संधाय में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सौजन्य से जल संरक्षण पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता गांव की महिला सरपंच अंजना देवी ने की। कार्यक्रम में मुख्या रूप से विभाग की जिला सलाहकार रजनी गोयल उपस्थित हुई। व्यासपुर ब्लॉक समिति के पूर्व अध्यक्ष महिपाल सिंह संधाय को जल संचालन पुस्तिका भेंट की। रजनी गोयल ने जल जीवन मिशन के बारे में विस्तार से बताया। जल अनमोल है। जल का सोच समझकर प्रयोग करें क्योंकि वर्तमान समय में एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जल स्तर प्रतिवर्ष करीब 1.10 मीटर नीचे जा रहा है। पानी बनाया नहीं जा सकता, पानी सिर्फ बचाया जा सकता है इसलिए जल का सदुपयोग करें। लोगों को भी पानी बचाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने महिलाओं को पानी बचाने के टिप्स भी बताएं। उन्होंने कहा कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपने घरों में लगवाए । आजकल बारिश हो रही है। पानी की बूंद बूंद बचाएं और अपने आसपास वृक्ष भी अवश्य लगाएं।अपने आसपास कहीं पर भी पानी को खड़ा न होने दें।

छात्राओं को महिला सुरक्षा व दुर्गा एप की दी जानकारी

यमुनानगर। सेफ सिटी कैंपेन के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालय लेबर कॉलोनी जगाधरी में पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत

छात्राओं को क्राइम अगेंस्ट वूमेन, पोक्सो एक्ट के प्रावधान,दुर्गा शक्ति एप, गुड टच व बैड टच डायल 112 के बारे व ट्रैफिक के नियमों तथा साइबर अपराध के बारे में जागरुक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में महिला थाना की एएसआई नीलम ने भाग लिया। एएसआई नीलम ने छात्राओं को उनकी सुरक्षा संबंधित विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं को अपराधों तथा अपराधिक प्रवृत्ति के असामाजिक तत्वों के प्रति सजग जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान लगातार जारी है। छात्राओं को महिला विरुद्ध अपराध के प्रति सजग रहने तथा असामाजिक तत्वों द्वारा की गई किसी भी प्रकार की अभद्र हरकत का डटकर मुकाबला करने के संबंध में जागरूक किया।

पानी निकासी की नालियां टूटीं, ठीक करने की मांग

रादौर। रादौर की गीता कॉलोनी में नाली टूटी होने से स्थानीय लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार टूटी नाली को लेकर नगरपालिका कर्मचारियों को शिकायत दी। नपा कर्मचारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। जिस कारण स्थानीय लोगों में भारी रोष है।

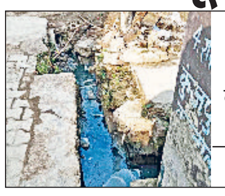

यमुनानगर के रादौर की गीता कॉलोनी में टूटी पड़ी नाली।

क्षेत्र के छोटेलाल, बेदी, कृष्ण मक्कड, राजीव, संदीप व राकेश आदि ने बताया कि बिन्नी डायरी के पास की गली को कॉलेज रोड से मिलाने वाला मेन पॉइंट होने के कारण यहां ट्रैफिक अधिक रहती है। नाली से लोहे का जंगला टूटने के कारण आए दिन यहां लोगों के वाहन फंस जाते थे। एक वर्ष पहले नाली के ऊपर रखे लोहे के जंगले के नीचे से निर्माण टूट गया था। जिस कारण लोहे का जंगला उखड़कर नाली में गिर गया था। नगरपालिका के कर्मचारियों ने नाली को साफ करवाकर लोहे के जंगले को ठीक करने का काम तो शुरू किया। उसके बाद साइड की नाली टूट गई। जिस कारण बरसात के दिनो में पानी के ओवरफ्लो होने के कारण टूटी नाली किसी को दिखाई नहीं देती। जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। कर्मचारियों से मांग की कि जल्द से जल्द टूटी नाली की मुरम्मत कर लोहे का जंगला लगवाया जाये। जिससे आम लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

नशा जीवन के लिए बहुत हानिकारक: जसविंद्र

यमुनानगर। जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने शनिवार को नशा मुक्त अभियान के तहत शहर के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को नशा

से बचाव को लेकर जागरूक किया। एंटी नार्कोटिक सेल के प्रभारी जसविंद्र सिंह ने बताया कि आईटीआई चौक, सब्जी मंडी व जिंदल पार्क में आमजन को नशे से बचनें हेतु जागरुक किया गया। पुलिस आमजन को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के लिए जागरूकता कैंप लगा रही है। जिसमें आमजन को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान करके जागरूक किया जा रहा है। शराब, अफीम, गांजा आदि नशीली दवाओं का सेवन हमारे जीवन के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है। नशे के दुष्प्रभाव का सीधा असर हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इन दवाओं का अधिक सेवन करने से शरीर के विभिन्न अंग और अंगों के साथ.साथ दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है।

जीएसटी एमनेस्टी से व्यापारियों को राहत: गुप्ता

- डीसी पार्थ गुप्ता ने 30 जून तक आवेदन करने का किया आह्वान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जीएसटी मामलों में उलझे कारोबारियों को राहत देने के उद्देश्य को लेकर सरकार ने जीएसटी एमनेस्टी 2025 योजना शुरु की है। इस योजना के शुरु होने से कारोबारियों को राहत मिलेगी। डीसी पार्थ गुप्ता ने अपने कार्यालय में बातचीत करते हुए दी।

डीसी ने बताया कि लंबे समय तक जीएसटी मामलों में उलझे कारोबारियों को राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने जीएसटी एमनेस्टी योजना शुरू की है। इसके तहत व्यापारियों को केवल बकाया टैक्स जमा करवाना होगा। उन्होंने बताया कि बकाया टैक्स जमा करवाने की तिथि 31 मार्च तक लागू रहेगी और आवेदन करने की अवधि 30 जून तक रहेगी। जबकि ब्याज और जुर्माने से पूरी तरह छूट दी जाएगी। यह योजना न केवल व्यापारियों को आर्थिक दबाव से बाहर निकालेगी बल्कि उन्हें व्यवसाय को सुचारू रूप से चलाने का अवसर भी देगी। मौके पर उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त कृष्ण कुमार ने बताया कि जीएसटी एक्ट के सेक्शन 73 के तहत जीएसटी मामलों में अब केवल मूल कर राशि जमा करनी होगी। पात्र करदाताओं को ब्याज व जुर्माना राशि से राहत मिलेगी। यह योजना उन करदाताओं पर लागू होगी। जिन पर वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 व 2019-20 के लिए बकाया कर की देनदारी है। उन्होंने बताया कि कारोबारी जीएसटी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

26 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत हुए रामपाल

यमुनानगर। व्यासपुर एसडीएम कार्यालय में शनिवार को विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें राजस्व विभाग के प्रवाचक पद से सेवानिवृत हुए

रामपाल को सम्मानित किया गया। एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने बताया कि रामपाल एक फरवरी 1996 को राजस्व विभाग में बतौर लिपिक के पद पर सरकारी सेवा में आये थे। रामपाल ने कार्यालय उपायुक्त यमुनानगर के अधीनस्थ में अलग-अलग शाखाओं, कार्यालयों तथा न्यायालयों में अपनी सरकारी सेवाएं दी। रामपाल ने तहसील साढौरा तहसील बिलासपुर, छछरौली व सरस्वती नगर में बतौर रीडर भी कार्य किया। इसके पश्चात वर्ष 2012 में उपमंडल कार्यालय बिलासपुर में कार्यरत रहे। व्यासपुर से अपनी 26 वर्ष की सरकारी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए।

गुरु नानक कॉलेज में सड़क सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा पर करें जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर में शनिवार को रोड सेफ्टी क्लब व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और इतिहास विभाग ने संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा व समय की आवश्यकता विषय पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य सड़क सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं की चुनौतियों से निपटने के लिए बहुविषयक दृष्टिकोणों पर चर्चा करना रहा। शुभारंभ कॉलेज गान के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के

रजिस्ट्रार लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ. प्रतिमा शर्मा ने की।

मुख्यातिथि लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल ने सड़क सुरक्षा शिक्षा के महत्व और जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार को बढ़ावा देने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में सड़क सुरक्षा के साथ शिक्षा के महत्व की विद्यार्थियों को जानकारी देना बेहद जरुरी है। वहीं, डॉ. रमेश कुमार ने सड़क दुर्घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि पर प्रकाश डाला तथा शिक्षा प्रणाली में सड़क सुरक्षा जागरूकता को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

जबकि राज्य सड़क सुरक्षा परिषद के सदस्य सुशील कुमार आर्य और यमुनानगर के यातायात पुलिस एसएचओ कुशल पाल ने यातायात नियमों, प्रवर्तन रणनीतियों और सड़क सुरक्षा सुनिचित करने में सार्वजनिक सहयोग पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि सांझा की। सेमिनार में हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों के लगभग 225 संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और छात्रों ने सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

जिससे अकादमिक चर्चा को समृद्ध बनाने में योगदान मिला। सेमिनार के संयोजक डॉ. अनुराग ने आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. कैथरीन मसीह और आयोजन सचिव डॉ. राजिंदर सिंह वोहरा, डॉ. किरणपाल सिंह विर्क और डॉ. तिलक राज के साथ सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने में सहयोगी प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रबंधक समिति प्रधान सरदार रणदीप सिंह जौहर ने आयोजन टीम के प्रयासों की सराहना की और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए निरंतर जागरूकता पहल की आवश्यकता पर बल दिया। सेमिनार के सह संयोजक डॉ. ज्ञान भूषण, डॉ. विनय चंदेल, डॉ. पायल लांबा, प्रो. अनिका, प्रो. मनीषा व प्रो. शिल्पी बख्शी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. इकबाल सिंह, डॉ. बलजीद व डॉ. विनय चंदेल ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया।

खबर संक्षेप

निकाय चुनाव में करें बढ़ चढ़कर मतदान : उपायुक्त

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त नेहा सिंह ने मतदाताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे 2 मार्च को होने वाली शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में बढ़ चढ़ कर मतदान करें।

मतदान में केवल वही मतदाता मताधिकार का उपयोग कर सकेगा जिसका नाम सम्बन्धित नगर परिषद अथवा नगरपालिका की मतदाता सूची में शामिल है। उन्होंने कहा कि मतदाता का नाम सम्बन्धित नगर परिषद अथवा नगरपालिका की मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है।

प्रकाश लाल को जन्म जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

कुरुक्षेत्र। भारतीय योग संस्थान दिल्ली के संस्थापक श्रद्धेय स्वर्गीय प्रकाश लाल की जन्म जयंती आज पूरे भारतवर्ष में ही नहीं विदेशों में भी बड़ी श्रद्धा, विनम्रता एवं हर्षोल्लास के साथ विभिन्न योग कार्यक्रम आयोजित करके मनाई गई। संस्थान की केंद्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर हरियाणा प्रांत इकाई द्वारा भी प्रदेश भर में स्थापित अपने निशुल्क योग साधना केन्द्रों पर प्रकाश दिवस पर श्रद्धेय प्रकाश लाल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु कार्यक्रम आयोजित किए गए। हरियाणा प्रांत इकाई के प्रधान ओमप्रकाश ने बताया कि श्रद्धेय प्रकाश लाल जी कर्मठता, सरलता, निश्चलता, अडिगता, निर्भीकता, अनथकता व जीवंतता की प्रतिमूर्ति थे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान आज, पोलिंग पार्टियां ईवीएम मशीनें लेकर बूथों के लिए रवाना

चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात, चुनाव आचार संहिता की उल्लंघना नहीं करने दी जाएगी, पोलिंग पार्टियों को जरूरी दस्तावेज किए वितरित

नगर परिषद थानेसर चुनाव :108 बूथों पर 1 लाख 37 हजार 681 मतदाता करेंगे वोट

30 वार्डों में 91 प्रत्याशी मैदान में, 750 अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नगर परिषद थानेसर में चेयरपर्सन और 30 वार्ड पार्षदों तथा इस्माइलाबाद में प्रधान पद के उप चुनाव के लिए 2 मार्च रविवार को सुबह 8 बजे से लेकर सायं 6 बजे तक मतदान होगा। इन चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है और नप थानेसर में 40 संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। किसी भी व्यक्ति को आदर्श चुनाव आचार संहिता की उल्लंघना नहीं करने दी जाएगी। इन चुनावों को लेकर प्रशासन की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि शनिवार को अग्रसेन पब्लिक स्कूल के सभागार में पोलिंग स्टॉफ के अधिकारियों और कर्मचारियों को रिटर्निंग अधिकारी एवं डीएमसी सतेन्द्र सिवाच की देखरेख में प्रशिक्षण दिया गया और इस प्रशिक्षण के बाद सभी पोलिंग पार्टियों को

कुरुक्षेत्र। बूथ पर जाते कर्मचारी।

ईवीएम मशीनें व तमाम जरूरी दस्तावेज वितरित किए गए। यह सभी पोलिंग पार्टियां अपने-अपने बूथों की तरफ रवाना हो गई है। उन्होंने कहा कि 2 मार्च रविवार को शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को पूर्ण करवाने के लिए व्यापक प्रबंध किये गये हैं ताकि चुनाव शांतिपूर्वक, पारदर्शी, निर्विघ्न रूप से तथा निष्पक्ष करवाये जा सके। जिन नगर परिषदों में प्रधान तथा वार्ड सदस्यों एवं नगर पालिकाओं में प्रधान तथा वार्ड सदस्यों के लिए चुनाव है, वंहा पर दो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से मतदान करवाया जाएगा। जिनमें से एक प्रधान पद के लिए तथा दूसरी वार्ड सदस्य के चुनाव के लिए होंगे और जिन स्थानों पर केवल उपचुनाव है वंहा पर केवल एक इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से ही मतदान करवाया जाएगा।

वार्ड 7 व 32 में सर्व सम्मति से पार्षद बने

उन्होंने कहा कि नप थानेसर में वार्ड 7 व 32 में सर्व सम्मति से पार्षद बने है अब 30 वार्डों में पार्षद पद का चुनाव होना है, इन वार्डों में 91 प्रत्याशी खड़े है, चेयरमैन पद के लिए 5 प्रत्याशी मैदान में है। इन चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने के लिए 750 अधिकारियों, कर्मचारियों की 108 बूथों पर डयूटी लगाई गई है। इसके अलावा 9 डयूटी मैजिस्ट्रेट और 11 नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

संवेदनशील मतदान केंद्र किए गए चिन्हित

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि संवेदनशील मतदान केन्द्रों को चिन्हित कर लिया है। नप थानेसर में कुल 40 संवेदनशील मतदान केन्द्र चिन्हित किए गए हैं। इन मतदान केन्द्रों पर शांतिपूर्वक ढंग से चुनाव करवाने के लिए एक-एक अतिरिक्त पुलिस कर्मी की डयूटी लगाई गई है तथा मोबाइल पुलिस पार्टी भी इन सभी मतदान केन्द्रों का लगातार दौरा करेगी। सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक एंव पुलिस चुनाव पर्यवेक्षक भी इन मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखेंगे। इन संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ साथ सभी डयूटी मजिस्ट्रेट के साथ भी वीडियोग्राफी की टीम मौजूद रहेगी ताकि जरूरत पडने पर किसी भी स्थान पर वीडियोग्राफी की जा सके।

इस्माइलाबाद के 13 वार्डो में 10,539 लोग करेंगे मतदान

शुगर मिल के प्रबंधक निदेशक एवं इस्माइलाबाद के रिटर्निंग अधिकारी विरेंद्र चौधरी ने कहा कि इस्माइलाबाद में नगर पालिका के अध्यक्ष पद का उपचुनाव 2 मार्च को होगा। इस अध्यक्ष पद के लिए शहर के 10539 लोग अपने मत का प्रयोग करेंगे। इस शहर में कुल 13 वार्डों में 13 बूथ बनाए गए है। इस शहर के वार्ड 1 में 605 वोट है, जबकि वार्ड 2 में 666, वार्ड 3 में 702, वार्ड 4 में 1100, वार्ड 5 में 927, वार्ड 6 में 776, वार्ड 7 में 1088, वार्ड 8 में 869, वार्ड 9 में 917, वार्ड 10 में 747, वार्ड 11 में 622, वार्ड 12 में 689 व वार्ड 13 में कुल 831 वोट है।

66683 महिलाएं करेंगी मत का प्रयोग

जिला नगर आयुक्त सतेंद्र सिवाच ने कहा कि नगर परिषद थानेसर के 30 वार्डो में कुल 137677 लोग अपने मत का प्रयोग करेंगे। इसमें 70994 पुरुष व 66683 महिलाएं मतदाता शामिल है। इन चुनावों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 2 मार्च को मतदान होगा और 12 मार्च मतगणना का कार्य किया जाएगा। यहां पर चेयरमैन पद व 30 पार्षद के पद के लिए आम चुनाव होंगे। इन चुनावों की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

मतदान वाले दिन रहेगी शराबबंदी

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि नगर निकाय चुनावों को शांतिपूर्वक एवं निष्पक्ष रूप से करवाने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा ने दॉ रिप्रेजेंटेशन ऑफ दॉ पीपल एक्ट, 1951 की धारा 135 सी के तहत मतदान से एक दिन पूर्व और मतदान वाले दिन इन जगहों पर शराबबंदी लागू कर गई है। यह शराबबंदी 2 मार्च रविवार को मतदान पूर्ण होने तक लागू रहेगी। इन आदेशों की सख्ती से पालना करनी होगी।

थानेसर नगर परिषद के वार्डवाइज मतदाताओं की संख्या

वार्ड	पुरुष	महिला	अन्य	कुल
1	2005	2000	-	4005
2	2723	2513	1	5237
3	1492	1480	-	2972
4	2098	2021	1	4120
5	2563	2439	-	5002
6	2117	2012	1	4130
7	1525	1502	-	3027
8	3147	2929	-	6076
9	1661	1670	-	3331
10	1411	1367	-	2778
11	2275	2163	-	4438
12	1893	1839	-	3732
13	2544	2410	-	4954
14	795	1669	-	3464
15	2386	2403	-	4789
16	2663	2603	-	5266
17	1849	1702	-	3551
18	3044	2944	-	5988
19	1832	1642	-	3474
20	2152	1934	-	4086
21	1963	1915	-	3878
22	1920	1794	-	3714
23	2143	1546	-	3689
24	2418	2215	1	4634
25	1852	1713	-	3565
26	2456	2148	-	4604
27	2371	2211	-	4583
28	2302	2236	-	4538
29	2655	2495	-	5150
30	2408	2290	1	4699
31	3062	2869	-	5931
32	2103	1846	-	3949

प्रभातफेरी में भजनों पर जमकर नाचे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी की प्रेरणा से श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा होली के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी का आयोजन पुलिस लाइन में नरेश गौड़ के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर सुनील वत्स तथा उनके सहयोगियों द्वारा किशोरी कुछ ऐसा इंतजाम हो जाए, जुंबा पर राधा-राधा नाम हो जाए....के भजन पर श्रद्धालु ठाकुर जी की युगल जोड़ी के सामने जमकर थिरके। सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रभात फेरी में शामिल महिला और पुरुषों ने राधा और कृष्ण भाव के भजनों का खूब आनंद उठाया। श्री कृष्ण कृपा

कुरुक्षेत्र। प्रभातफेरी के आयोजक नरेश गौड़ के परिजनों को सम्मानित करते हुए श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता के परिवार के पदाधिकारी।

गौशाला के प्रधान सुनील वत्स ने बताया कि 14 मार्च को प्रातः 9 बजे गीता मनीषी के सानिध्य में श्री कृष्ण कृपा गौशाला में होली उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। होली उत्सव का निमंत्रण देने के लिए नगर के विभिन्न गली, मोहल्लों में प्रतिदिन प्रातः 5 से 7 बजे तक प्रभात फेरियां आयोजित की जा रही हैं। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की ओर से प्रभातफेरी के आयोजक नरेश गौड़ के परिजनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुनील शर्मा, पवन भारद्वाज, रमाकांत शर्मा, जयपाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

अवैध रूप से पनप रही कॉलोनियों को नष्ट करने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट किए नियुक्त

- जिला नगर योजनाकार विभाग की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि जिला नगर योजनाकार विभाग की तरफ से जिला कुरुक्षेत्र में पनप रही अवैध कॉलोनियों में तोड़फोड़ करने के उद्देश्य से ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है। इसके साथ ही मार्च माह के लिए शैडयूल भी तैयार किया गया है। उपायुक्त नेहा सिंह ने जारी आदेशों में कहा कि राजस्व संपदा कुरुक्षेत्र के गांव व शहरों में अवैध कालोनियों को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा तथा प्रशासन के सहयोग से तोड़फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके लिए डयूटी मैजिस्ट्रेट को नियुक्त किया गया है जिसमें पिहोवा अर्बन एरिया के लिए एसडीओ कृषि विभाग मनीष वत्स, शाहबाद अर्बन एरिया के लिए कृषि विकास अधिकारी सुखबीर सिंह, कुरुक्षेत्र अर्बन एरिया के लिए डीटीपी विक्रम कुमार, लाडवा अर्बन एरिया के लिए एसडीओ विकास शर्मा एचवी विभाग लाडवा को ड्यूटी मैजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सभी आगामी आदेशों तक ड्यूटी मैजिस्ट्रेट रहेंगे तथा इन ड्यूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम अवैध निर्माण को नष्ट करेंगे।

केयू को मिला आल ओवर टीम का खिताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- पांच दिवसीय जिला स्तरीय यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर समाप्त

जिला रेडक्रॉस सचिव डा. सुनील कुमार ने कहा कि जिला भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के महासचिव डा. मुकेश अग्रवाल व उपायुक्त नेहा सिंह के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा श्री कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में पांच दिवसीय जिला स्तरीय यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में जिला के 9 महाविद्यालयों के 100 छात्र व छात्राएं एवं काउंसलर ने भाग लिया। रेडक्रॉस सचिव डा. सुनील कुमार ने कहा कि इस शिविर में गुलशन कुमार ग्रोवर व निरुपमा भट्टी द्वारा विधिवत रूप योगा बारे विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कुमारी किरण कश्यप, लेक्चरर द्वारा सी.पी.आर. के माध्यम से कैसे कृत्रिम श्वास दे कर किसी अनजान व्यक्ति

का जीवन बचाया जा सकता है बारे में प्रैक्टिकल रूप में समझाया गया। फायर मेन गुरप्रीत सिंह द्वारा आग लग जाने पर हमें क्या सावधानी बरतनी चाहिए। इस शिविर में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें आल ओवर टीम का खिताब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र को मिला। इस शिविर में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें आल ओवर टीम का खिताब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र को मिला। पोस्टर मेंकिंग में प्रथम वर्षा, द्वितीय गुरजोत, गुंजन तृतीय रही।

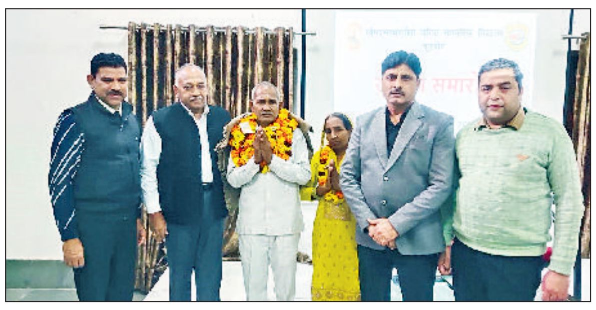

स्वच्छता कार्यकर्ता का सम्मान समारोह आयोजित

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भागवद्गीता व माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र के स्वच्छता कार्यकर्ता सतवीर सिंह का बहुत ही धूमधाम के साथ सम्मान समारोह आयोजित हुआ। सर्वप्रथम उनके विद्यालय पहुंचने पर उनके परिवार सहित सबका विद्यालय समिति के पदाधिकारी जंग बहादुर सिंगला, प्राचार्य अनिल मदान, लाजपत छात्रावास के अधीक्षक सुशील चौधरी एवं संपूर्ण स्टाफ की ओर से तिलक रक्षासूत्र व श्रीफल भेंट करके फूल मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया। मंच पर पहुंचने पर मां सरस्वती तथा भारत माता के चित्रों पर विद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य जंग बहादुर सिंगला, अनिल मदान, छात्रावास अधीक्षक सुशील चौधरी तथा आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि .स्वच्छता कार्यकर्ता सतवीर सिंह के द्वारा माल्यार्पण दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों द्वारा शाल एवं साइकिल तथा स्टाफ द्वारा जीवनोपयोगी स्मृति स्वरूप वस्तुएं उपहार में समर्पित की गई। छात्रावास पालक एवं समिति के सम्मानित सदस्य जंगबहादुर सिंगला ने बताया कि सतबीर सिंह ने विद्यालय की 36 सालों तक सेवा की।

मां सरस्वती की धरा से विशेष लगाव: महंत बंसी पुरी

पिहोवा। महंत बंसी पुरी को श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी का श्रीमहंत बनाये जाने पर चक्रपाणि परिवार पवन मार्केट व सिद्धिविनायक गजानन मंदिर और श्रीगणेश सेवा समिति पवन मार्केट की ओर से जोरदार अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पवन मार्केट के एमडी हनु चक्रपाणि के द्वारा की गई। नगर पालिका प्रधान आशीष चक्रपाणि व शहर के सभी गणमान्य व्यक्तियों और सभी सामाजिक संस्थाओं ने बंसी पुरी महाराज को श्रीमंत बनने की खुशी में फूल महिलाओं के साथ उनका स्वागत किया। बंसी पुरी महाराज ने कहा कि मां सरस्वती की इस पावन धरा से उनका विशेष लगाव है। श्रीमहंत बंसी पुरी ने कहा कि मुझे इस सम्मान देने के लिए मैं चक्रपाणि परिवार व सभी सामाजिक संस्थाओं का आभार व्यक्त करता हूं। इस सम्मान समारोह में रोटरी क्लब के प्रधान दीपक बवेजा और रॉयल लायंस क्लब के प्रधान शास्वत चक्रपाणि नगर पालिका अध्यक्ष आशीष चक्रपाणी, हनु चक्रपाणि, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुदर्शन चुघ, डॉ. अमित अरोड़ा, समाजसेवी शिवचरण बहल, अजय कालडा, एडवोकेट दस्तूर, एडवोकेट शिवदर्शन मुरार, सभी पार्षदगण व नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बार कौंसिल के उप प्रधान एडवोकेट सौरव शर्मा का गांव पहुंचने पर भव्य स्वागत

कुरुक्षेत्र। एडवोकेट सौरव शर्मा को बार कौंसिल कुरुक्षेत्र का उप प्रधान बनने पर उनके पैतृक गांव जालखेड़ी में भव्य स्वागत किया गया। गांववासियों और समर्थकों ने फूल मालाओं से उनका अभिनंदन व जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर गांव के शिव मंदिर में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां वरिष्ठ नागरिकों, युवा साथियों और गणमान्य व्यक्तियों ने सौरव शर्मा को शुभकामनाएँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान शिव मंदिर में पूजा-अर्चना भी की गई, जिसमें सौरव शर्मा ने भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। समारोह में सौरव शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया और कहा कि वे सदैव न्याय व अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए समर्पित रहेंगे। उन्होंने इस उपलब्धि को गांववासियों और अपने शुभचिंतकों की प्रेरणा का परिणाम बताया कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति रही, वरिष्ठ वकील पवन शर्मा, मुकेश शर्मा, सुमित शर्मा, पंकच, साहिल, रमन, गौरव, मंदिर कमेटी प्रधानः बबलू शर्मा उप प्रधानः कुलविंदर शर्मा आदि ने सौरव शर्मा के नेतृत्व की सराहना की।

यूएसएफ कुरुक्षेत्र सेंटर में सेलिब्रेटिंग चेंज इवेंट के लिए चयन प्रक्रिया का आयोजन

कुरुक्षेत्र। उदयन शालिनी फेलोशिप सेंटर, कुरुक्षेत्र में आज पुणे में आयोजित होने वाले ह्यसेलिब्रेटिंग चेंजह्न कार्यक्रम के लिए चयन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस प्रक्रिया में कुल 19 उत्साही शालिनियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी प्रेरणादायक यात्रा और यूएसएफ से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। इस चयन प्रक्रिया का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेष जूरी पैनल उपस्थित था, जिसमें डॉ. सुषमा शर्मा, डॉ. रामनिवास, डॉ. रेणु शाह और सीए विकास शर्मा शामिल थे। चयन प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई। पहले चरण में निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी यूएसएफ यात्रा और इस फेलोशिप के प्रभाव को शब्दों में व्यक्त किया। इसके बाद, दूसरे चरण में तीन मिनट का भाषण आयोजित किया गया, जिसमें शालिनियों ने अपनी संचार क्षमता का प्रदर्शन किया और बताया कि यूएसएफ में शामिल होने के बाद उनके जीवन में क्या बदलाव आए हैं। प्रतियोगिता के दौरान शालिनियों ने आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ अपनी बात रखी।

बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का मुआवजा दे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। भारी ओलावृष्टि को हाथ में लेकर दिखाती हुई महिला।

आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने बेमौसमी बरसात व ओलावृष्टि से फसलों को हुए भारी नुकसान का 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की है। संगठन के जिलाध्यक्ष कामरेड राजकुमार सारसा व जिला सचिव कामरेड कृष्ण चंद ने कहा कि विगत दो दिन से जारी मूसलाधार बरसात व ओलावृष्टि से कुरुक्षेत्र जिला के शाहाबाद में गेहूं, सरसों, पशु चारा व सब्जी की फसलों को भारी नुक्सान पहुंचा है, जिसकी सरकार जल्द गिरदावरी करवा कर प्रति एकड़ 50 हजार रुपए मुआवजा दे क्योंकि खेती में लागत खर्च बढ़ने से पहले ही खेती घाटे का सौदा हो गई है। उन्होंने कहा कि पहले ही किसान कर्ज बंधुआ होकर आत्महत्या करने को मजबूर है। ऊपर से प्रकृति की मार भी किसानों की छह महीने की कमाई को बर्बाद कर रही है। वैसे भी आज महंगाई-बेरोजगारी के चलते परिवार के लिए गुजर-बसर करना मुश्किल हो रहा है। खुद सरकार जो फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करती है, उस पर भी खरीद नहीं की जाती। उन्होंने कहा कि आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन समेत सभी किसान संगठनों ने केंद्र की मोदी सरकार से लिखित में जो आश्वासन दिया था, हम उन मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं।

कार्यक्रम | किड्स डीपीएस स्कूल मोहन नगर में वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन

बनाना रेस में शगुन और लेमन एंड स्पून रेस में सोहम प्रथम

- विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में भाग लेकर दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

किड्स डीपीएस स्कूल मोहन नगर में वार्षिक खेलकूद समारोह पूरे जोर शोर से मनाया गया। कक्षा प्ले ग्रुप से द्वितीय के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। इसके अंतर्गत फ्लैट रेस,क्राउलिंग रेस,राइडर रेस,अंब्रेला रेस, जैली फिश रेस, बटरफ्लाई रेस,ऑब्सटेकल रेस, पिक एंड ड्रॉप रेस, कॉइन रेस,हर्डल रेस, सैक रेस, बैलून बर्स्टिंग रेस के साथ-साथ गेट रेडी फॉर स्कूल रेस , बनाना रेस, बॉल एंड सौसर रेस, लेमन एंड स्पून रेस आदि करवाए गए। प्ले ग्रुप से राइडर रेस में विहान

कुरुक्षेत्र। प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

प्रथम, मितांश द्वितीय,निकेश तृतीय,फ्लैट रेस में दिया प्रथम, चेतन द्वितीय, गर्विक तृतीय, क्रॉलिंग रेस में पुलकित और प्रांशी प्रथम, प्रिशा और युवान्या द्वितीय, एलेक्सा और देवन्या तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा प्री नर्सरी से राइडर रेस में आर्य बंसल और राघव प्रथम,वणिक और आरुष द्वितीय,हार्दिक और आद्विक तृतीय, जैली फिश रेस में कियान प्रथम,हिरात द्वितीय,पारस तृतीय, ऑब्सटेकल रेस में त्विशा और लव प्रथम, मयन और मिवान द्वितीय, मनसीरत और अद्वैत द्वितीय, विहान प्रथम, ओशिन द्वितीय, निमित तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा नर्सरी से रैबिट और कैरेट रेस में पर्ल प्रथम, दिवांशी द्वितीय, क्रिधा तृतीय, हर्डल रेस में विहान प्रथम, पावनी द्वितीय, दिल्नाज तृतीय, बॉल एंड सौसर रेस में एकांश प्रथम, हरगुण द्वितीय, कविश तृतीय, पिक एंड ड्रॉप रेस में दियांशी प्रथम,सुहानी द्वितीय, जेरीका तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा के जी से कॉइन रेस में ईवा प्रथम, अमायरा द्वितीय, गुंजन तृतीय, बैलून बर्स्टिंग रेस में अवैध प्रथम, सायांश द्वितीय, गर्वित तृतीय, बनाना रेस में शगुन प्रथम,विराज द्वितीय, तनिश तृतीय स्थान पर रहे। कक्षा प्रथम से लेमन एंड स्पून रेस में सोहम प्रथम, विराज द्वितीय, एकमवीर तृतीय, बैलून होल्डिंग रेस में हरगुण प्रथम, अनन्या द्वितीय, मितांशी तृतीय, स्थान पर रहे। कक्षा द्वितीय से सैक रेस में योग्य प्रथम, लक्ष्य द्वितीय, नक्ष तृतीय स्थान पर रहे। इन रेसो में प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी विद्यार्थियों को प्रतिभागिता के लिए मेडल प्रदान किए गए। सभी वर्गों में प्रथम,द्वितीय, तृतीय स्थान लेने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती साक्षी गाबा और कोऑर्डिनेटर श्रीमती पारुल द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। यह प्रतियोगिताएं विद्यालय के डीपीई की देखरेख में संपन्न हुआ। मंच संचालन कोऑर्डिनेटर श्रीमती पारुल के द्वारा किया गया। अंत में प्रधानाचार्य श्रीमती साक्षी गाबा ने बच्चों को इन प्रतियोगिताओं का महत्व बताते हुए यह कहा कि स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। सभी विद्यार्थियों को इस प्रकार की गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती साक्षी गाबा, कोऑर्डिनेटर श्रीमती पारुल, अध्यापिका रितु काकरा, साक्षी, गगन, ऋतु सैनी, सुरभि, शीतल और दीपिका सहित स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी सुधांशु को गिरफ्तार किया है। कमल विहार के हरजीत सिंह ने 16 नवंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि जेपी अस्पताल के पास से किसी ने उसकी बुलेट मोटरसाइकिल चोरी कर ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

देसी पिस्टल सहित आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी के सुभाष पार्क के पास से अवैध हथियार रखने के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी अमन उर्फ गड्डी को देसी पिस्टल व जिंदा रौंद सहित गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। सीआईए-1 को सूचना मिली थी कि आरोपी किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इसी वजह से सीआईए ने रेड कर आरोपी को काबू कर लिया। उसके खिलाफ अवैध हथियार रखने के आरोप में केस भी दर्ज किया किया गया है।

पांच हजार का ईनामी आरोपी दबोचा

अंबाला। थाना महेशनगर एरिया के दुखेडी टी प्वाइंट से 2 किलो 600 ग्राम अफीम तस्करी मामले में सीआईए-1 ने एक पांच हजार रूपये का ईनामी आरोपी राम बाबू को गिरफ्तार किया है। यूपी के रहने वाले इस आरोपी को अब पुलिस ने दस दिन के रिमांड पर लिया है। सीआईए-1 को सूचना मिली थी कि आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी का कार्य करता है। सूचना थी कि आरोपी जगाधरी रोड से होते हुए गांव मोहडा की तरफ जाएगा। इसके बाद पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपी को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से अफीम जब्त की गई।

महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज लूट के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पहले ही दो आरोपी महिलाओं का गिरफ्तार किया किया गया है। शिवालिक कॉलोनी के सुधीर कुमार ने 6 फरवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि भारत बर्तन भंडार दुकान से आरोपियों ने नकदी व बर्तन चोरी किए हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

लूट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज लूट के मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी साहिल को गिरफ्तार किया है। काजीवाड़ा के अनुज कुमार ने 20 जनवरी को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 18 जनवरी को नजदीक इंद्रलोक होटल सर्राफा बाजार से तीन आरोपियों ने उससे मोबाइल फोन व नकद राशि लूट ली है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

गाड़ी का शीशा तोड़ नकदी व कपड़े चोरी

जींद। गांव कालवा में शादी समारोह में आए एक व्यक्ति की गाड़ी का शीशा तोड़कर कपड़े व पांच हजार रुपये की नकदी चोरी करने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अंबाला। निकाय चुनाव के लिए मतगणना केंद्र से निकलती पोलिंग पार्टियां, ईवीएम मशीनों को जांचते जिला निर्वाचन अधिकारी व बूथों पर पहुंची पोलिंग पार्टियां। फोटो : हरिभूमि

मतदान के लिए सभी पोलिंग पार्टियों को ईवीएम देकर किया रवाना

निकाय चुनाव : 367 बूथों पर 3.88 लाख मतदाता करेंगे मतदान, संवेदनशील 97 बूथों पर सुरक्षा का कड़ा पहरा

जिला निर्वाचन अधिकारी बोले हर कर्मचारी को राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों की करनी होगी पालना

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

निकाय चुनाव को लेकर शनिवार को प्रशासन की ओर से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। चुनाव के लिए 367 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें मेयर उपचुनाव के लिए 191, अंबाला कैंट नगर परिषद चुनाव के लिए 156 व बराड़ा नगरपालिका चुनाव के लिए 20 बूथ शामिल हैं। इनमें से 97 बूथों को संवेदनशील घोषित किया गया है। यहां सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। तीनों जगह कुल 3.88 लाख 479 मतदाताओं को मतदान करने का मौका मिलेगा। इनमें सबसे ज्यादा मतदाता अंबाला शहर नगर निगम में 1.91 लाख हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से पोलिंग पार्टियों को बूथ वाइज प्रक्रिया की पालना के आदेश दिए। इस पूरी प्रक्रिया की बकायदा वीडियोग्राफी भी करवाई गई। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार जिले में निकाय चुनाव को पारदर्शी एवं निष्पक्ष रूप से करवाना हमारा दायित्व है। चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना करते हुए आज पोलिंग पार्टियों की बूथ वाइज रेंडमाइजेशन का कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि निकाय चुनाव के तहत 2 मार्च को मतदान होगा। 12 मार्च को मतगणना का कार्य किया जाएगा। इसके बाद परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

पोलिंग पार्टियों को दी सामग्री

निकाय चुनाव के मतदान को लेकर शनिवार को सभी मतगणना केंद्रों से पोलिंग पार्टियों को चुनाव संबंधी सामग्री दी गई। इसके बाद पार्टियां अपनी ड्यूटी को लेकर निर्धारित बूथों के लिए रवाना हो गई। जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह तोमर ने शनिवार को सेक्टर 9 स्थित ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल में बने मतगणना केंद्र व स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

वोट के लिए 12 पहचान पत्र मान्य

जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह तोमर ने कहा कि निकाय चुनाव में मतदान करने के लिए राज्य चुनाव आयोग ने एक दर्जन से अधिक पहचान पत्रों को मान्य किया है। इनमें मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी कार्ड), पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, सर्विस कार्ड, पासबुक (बैंक/पोस्ट ऑफिस द्वारा फोटो सहित जारी), पैन कार्ड, स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय द्वारा संबंधित योजना के तहत जारी), मनरेगा जॉब कार्ड, हेल्थ इंश्योरेंस स्मार्ट कार्ड, पेंशन कार्ड फोटो सहित, सांसद/विधायक/एमएलसी द्वारा जारी कार्ड, आधार कार्ड व स्वतंत्रता सेनानियों का पहचान पत्र फोटो सहित तथा अथॉरिटी द्वारा जारी दिव्यांग प्रमाण पत्र फोटो सहित और आर्म्स लाइसेंस के जरिए भी मतदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी मतदाता के पास इनमें से कोई भी पहचान पत्र है तो वह मतदान कर सकेगा।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना करते हुए चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से करवाना है। तोमर ने बताया कि जिले में निकाय चुनाव के तहत सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 2 मार्च को सुबह 8 बजे मतदान शुरू हो जाएगा। शाम छह बजे तक मतदान का कार्य होगा। राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों अनुसार 2 मार्च को सुबह मॉक पोल की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी दर्शन कुमार ने बताया मेयर पद के उप चुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीनों के साथ-साथ चुनाव संबंधी अन्य सामग्री दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलिंग पार्टियों व उनके साथ जुड़े अधिकारियों को तमाम चुनाव प्रक्रिया के बारे में फिर से ट्रेनिंग देकर रवाना किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियों के लिए जलपान, रहने की व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता प्रबंध किए गये हैं। सेक्टर 9 स्थित ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल में काउंटरों की बेहतर व्यवस्था के साथ प्रत्येक काउंटर पर निर्धारित बूथों के तहत पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीन व चुनाव सामग्री दी गई है। इस दौरान उनके साथ चुनाव ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मचारी भी साथ रहे जोकि उनके साथ बूथों पर जाएंगे।

मतदान से पहले होगा मॉकपोल

अंबाला। अंबाला सदर नगर पालिका चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंबाला छावनी विनेश कुमार ने बताया कि नगर परिषद अंबाला छावनी के अध्यक्ष व सदस्य पदों के लिए होने वाले चुनाव की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इसी कड़ी में पोलिंग पार्टियों को एसडी कॉलेज में बने मतगणना केंद्र से चुनाव सामग्री व ईवीएम मशीनें देकर रवाना किया गया। एसडीएम ने बताया कि चुनाव के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर टीमों को पहले से ही प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि पोलिंग पार्टियों व उनके साथ जुड़े अधिकारियों को तमाम चुनाव प्रक्रिया की ट्रेनिंग दी गई है। सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियों के लिए जलपान, रहने की व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

16 वार्डों के लिए 20 बूथों पर होगा मतदान

बराड़ा नगरपालिका चुनाव को शांतिपूर्व ढंग से संपन्न करवाने को लेकर डीएवी स्कूल में सभी पोलिंग पार्टियों को सामान उपलब्ध करवाया गया। इसके बाद सभी पोलिंग पार्टियां देर शाम तक निर्धारित पोलिंग बूथों पर पहुंची। इस दौरान उनके साथ चुनाव डयूटी पर लगे पुलिस कर्मचारी भी साथ थे। इन पोलिंग पार्टियों को मतदान के लिए ईवीएम मशीनें व चुनाव संबंधी सामग्री उपलब्ध करवाई गई है। यह सारी सामग्री चुनाव के संपन्न होने के उपरांत सभी पोलिंग पार्टियों को वापिस डीएवी स्कूल में ही जमा करवानी होगी। सुबह 8 बजे मतदान शुरू हो जाएगा जोकि सांय 6.00 बजे तक चलेगा। इससे पहले राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार मतदान से पहले मॉक पोल की प्रक्रिया की जाएगी। 20 बूथों के लिए लगभग 60 बीयू, 60 सीयू और 60 वीवी पैट मशीनों को तैयार किया गया। चुनाव में सात उम्मीद्वार चेयरमैन पद के लिए और 43 उम्मीदवार सदस्य पद के लिए अपनी किस्मत आजमा रहे है।मतदान के लिए 20 बूथ बनाए गए है। बूथ नं 1 गांव मौजगढ़ के सरकारी स्कूल में बनाया गया है। बूथ नं 2 और 3 एसएम जनता सीनियर सैंकेडरी स्कूल बराड़ा में, बूथ नं 4,5,6,7,8 मॉडर्न सीनियर सेंकडरी स्कूल बराड़ा में, बूथ नं 9,10,11,12,13 राजकीय गर्ल्स हाई स्कूल बराड़ा में, हरियाणा विद्या मंदिर में बूथ नं 14, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल बराड़ा में बूथ नं 15,16,17 बनाया गया है तो वहीं बूथ नं 18,19 और 20 एसएम जनता सीनियर सैंकडरी स्कूल बराड़ा में बनाया गया है।

निष्ठा से अधिकारियों को ड्यूटी देने के आदेश

बराड़ा। एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी अमित भारद्वाज ने कहा कि नगरपालिका चुनाव में जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी मतदान करवाने में लगी हुई है ऐसे सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा से करें। चुनाव को स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाने में अधिकारियों व कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर घबराएं नहीं बल्कि इसकी सूचना संबंधित सेक्टर सुपरवाइजर व ड्यूटी मजिस्ट्रेट को दें। एसडीएम शनिवार को डीएवी स्कूल में पोलिंग पार्टियों को चुनाव सामग्री वितरित करने से पूर्व पोलिंग पार्टियों को दिशा निर्देश दे रहे थे। उन्होंने पोलिंग पार्टियों को फाइनल रिहर्सल के बाद चुनाव सामग्री वितरित करके उन्हें अपने-अपने मतदान केंद्र के लिए रवाना किया। उन्होंने बताया कि मतदान केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय, बिजली, शैड, दिव्यांगों के लिए रैंप, व्हीलचेयर उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को मतदान सुबह आठ बजे शुरू हो जाना चाहिए। इसलिए अपनी मॉक पोल की प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू कर दें और इसे सभी चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के एजेंटों की उपस्थिति में करवाना सुनिश्चित करें। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की प्रचार-सामग्री नहीं होनी चाहिए। नगरपालिका में 14 बूथ स्थापित किए गए है जिनके लिए 14 पोलिंग पार्टियां नियुक्त की गई हैं।

भगवान शिव सर्व देव के परमपिता परमेश्वर

- सेवा केंद्र में शिवरात्रि को लेकर आयोजित किया गया कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुलाना

मुलाना। मंच पर कार्यक्रम पेश करती बीके बहनें। फोटो : हरिभूमि

प्रजापिता ब्रहमाकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में शिवरात्रि का कार्यक्रम संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वीणा दीदी व वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुभद्रा दीदी के मार्गदर्शन बहुत धूमधाम से मनाया गया। शाहाबाद सेवा केंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीति दीदी ने महाशिवरात्रि के गहन रहस्य के बारे में बताते हुए कहा कि कोई इसको शिव रात्रि और कोई शिव जयन्ती नाम से पुकारते हैं। बात तो एक ही है अर्थात शिव का अवतरण या अद्भुत विधि से जन्म। हम जानते हैं कि देश में 33 करोड़ देवी- देवताओं की पूजा की जाती है। अर्थात अनेक देवताएं हैं। ऐसे ही अनेक महान आत्माएं, संत आत्माएं, गुरु आत्माएं, धर्म पिताएं व पुण्य आत्माएं हुई हैं। परंतु जब परमात्मा की बात आती है तो प्रायः सभी धर्मों के लोग कहते हैं कि परमात्मा एक है और सभी का पिता है। भक्त हनुमान की पूजा करते हैं। हनुमान श्री राम जी की पूजा करते हैं। श्री राम रामेश्वर में शिवजी की पूजा करते हुए दिखाए गए हैं। ऐसे ही गोपेश्वर धाम में श्री कृष्ण को शिव जी की पूजा करते दिखाया गया है। पूजा उनकी ही की जाती है जो हमसे श्रेष्ठ होता है। बराबर के लोगों की पूजा नहीं की जाती। उनसे दोस्ती की जाती है। इससे स्पष्ट है कि शिव ही सर्व के परमपिता, परमात्मा, परमेश्वर व सर्वेश्वर हैं। 10वें गुरु श्री गोबिंद सिंह जी ने भी कहा है- /"हे शिवा दे ऐसा वर मोये, जो शुभ कर्मन से कभी ना डरूं/"। शिव और शंकर में भी अंतर है।

सबको मंत्रमुग्ध किया

विधायक पूजा चौधरी ने सबको शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें हम सबके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य बहुत अच्छे से कर रहे हैं। इस दौरान शिव ध्वजारोहण किया गया। माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमार नितिन भाई ने अपने गीतों के द्वारा सबको मंत्रमुग्ध किया।

शांति और उन्नति की कामना की

- पूर्व विधायक ने भगवान भोलेनाथ की पूजा कर सुख समृद्धि की कामना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

गांव शहजादपुर में आशु मित्तल द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ पवन सैनी ने शिरकत की ओर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर डॉ. पवन सैनी ने जल से शिवलिंग का अभिषेक किया। श्रद्धा और भक्ति के साथ भगवान भोलेनाथ की पूजन-अर्चन कर सभी के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

इस शुभ अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के सभी निवासियों के लिए भगवान शिव जी से सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की गई। पूरे मंदिर परिसर में हर हर महादेव के जयकारों से भक्तिमय माहौल बना रहा। भगवान शिव की कृपा से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हो और जीवन में शक्ति, शांति व समृद्धि बनी रहे।

शहजादपुर। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व विधायक सैनी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

10 वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने अफसरों को दिए जरुरी निर्देश

नकल रोकने के लिए जरुरी कदम उठाने की कही बात

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा 10वीं व 12वीं की परीक्षाएं नकलरहित एवं पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। परीक्षा के दृष्टिगत बीएनएस की पालना सुनिश्चित होनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को वीसी के माध्यम से उपायुक्तों व पुलिस अधीक्षकों निर्देश दे रहे थे। सैनी ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं के आयोजन में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसको ध्यान में रखते हुए सभी पुख्ता प्रबंध होने चाहिए। यदि किसी सेंटर पर अतिरिक्त पुलिस की तैनाती की आवश्यकता है तो वहां जरुरी बंदोबस्त होने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर नकल होने की शिकायत रहती है तो उस परीक्षा केंद्र को रद्द किया जाएगा। परीक्षा के तहत कानून एवं व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेवारी है। इसीलिए परीक्षा के दृष्टिगत जिनको भी जिम्मेवारी सौंपी गई है वे अपनी ड्यूटी को सजगता के साथ करते हुए परीक्षा को नकलरहित करवाएं। उपायुक्त ने बताया कि जिले में 10वीं व 12वीं की परीक्षा के लिए 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों पर व्यवस्थाएं ठीक हैं। पुलिस की भी बेहतर व्यवस्था है। वीसी के उपरांत उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधिकारी व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीसी में जो दिशा-निर्देश मिले हैं उसकी अनुपालना के तहत कार्य करें। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को यह भी कहा कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की आवश्यकता है तो उस कार्य भी किया जाए। बैठक में एडीसी डॉ. ब्रहमजीत, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार के साथ अधिकारी मौजूद रहे।

निगम सदस्यों पर नहीं लागू होता दल-बदल विरोधी कानून

4 वर्षों में 3 बार दल-बदल कर डिप्टी मेयर ने बनाया रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

डिप्टी मेयर राजेश मेहता शुक्रवार को सीएम नायब सैनी की अगुवाई में भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके साथ ही मेहता के नाम दल बदलने का एक अनोखा रिकॉर्ड बन गया। चार साल में उन्होंने चार दल बदलकर नई रिकॉर्ड कायम किया है। चार साल पहले नगर निगम चुनाव में कांग्रेस ने राजेश मेहता को वार्ड नंबर 5 से उम्मीदवार बनाया था। इस चुनाव में जीतने के बाद हरियाणा जनचेतना पार्टी में शामिल हो गए थे। तब जनचेतना पार्टी की ओर से चुनाव में उन्हें डिप्टी मेयर का उम्मीदवार बनाया गया। डिप्टी मेयर बनने के बाद कुछ समय बाद ही मेयर शक्तिरानी शर्मा से उनकी कुछ मुद्दों को लेकर अनबन हो गई। इसी वजह से उन्होंने हरियाणा जनचेतना पार्टी के कार्यक्रमों से भी दूरी बनानी शुरू कर दी थी। कुछ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में उन्होंने पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में फिर से कांग्रेस में वापिसी की थी।तब मेहता ने अंबाला शहर विधानसभा सीट से अपनी दावेदारी भी पेश की थी। हालांकि टिकट न मिलने की वजह से मेहता कांग्रेस से निराश हो गए। उन्होंने कांग्रेस के कार्यक्रमों से भी दूरी बना ली। अब दो रोज पहले ही उन्होने सीएम नायब सैनी के साथ मंच सांझा कर भाजपा का दामन थाम लिया।

अंबाला। डिप्टी मेयर राजेश मेहता सीएम नायब सैनी के साथ। फोटो : हरिभूमि

शपथग्रहण के दिन बदला था पाला

राजेश मेहता 50 माह पूर्व यानि 30 दिसंबर 2020 को कांग्रेस पार्टी के टिकट पर ही वार्ड नंबर 5 से नगर निगम सदस्य के तौर पर निर्वाचित हुए थे। 14 जनवरी 2021 को शपथ ग्रहण के दिन ही वह स्थानीय नगर निगम की प्रत्यक्ष (सीधे) निर्वाचित महिला मेयर शक्ति रानी शर्मा की पार्टी हरियाणा जनचेतना पार्टी में दल-बदल कर शामिल हो गए थे। इसके बाद वे दिसंबर2022 में मेहता निर्विरोध नगर निगम के डिप्टी मेयर निर्वाचित हुए थे। मई 2024 में 18वीं लोकसभा आम चुनाव से ठीक पहले राजेश मेहता ने हजपा छोड़कर फिर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। अब उसके नौ महीने बाद मेहता ने फिर पाला बदल लिया। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट और म्यूनिसिपल कानून के जानकार हेमंत कुमार ने बताया कि बेशक राजेश मेहता ने चार वर्षो में तीन बार विभिन्न पार्टियों में दल-बदली की परंतु अब भी उन्हे हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जनवरी,2021 में प्रदेश सरकार के गजट में प्रकाशित निर्वाचन नोटिफिकेशन में अंबाला नगर निगम के वार्ड 5 से कांग्रेस पार्टी से निर्वाचित नगर निगम सदस्य के तौर पर ही दर्शाया जा रहा है। उन्हें मौजूदा अम्बाला नगर निगम का कार्यकाल पूरा होने तक अर्थात 13 जनवरी 2026 कांग्रेस पार्टी का ही सदस्य दर्शाया जाता रहेगा। राजनीतिक पार्टियों बदलने बावजूद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मूल निर्वाचन नोटिफिकेशन में संशोधन नहीं किया जाता है। देश के संविधान की दसवीं अनुसूची में जो दल बदल विरोधी कानून हैं, वह केवल सांसदों और विधायकों पर ही लागू होता है।

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

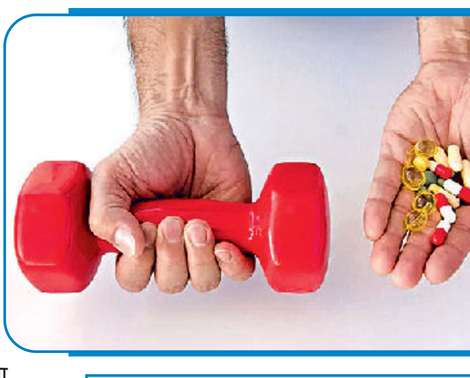

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से

शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओजेंपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल
मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदनाओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करूंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकिय्यत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी
संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

'बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजिए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

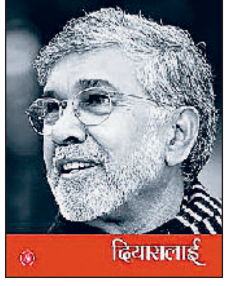

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

आजकल वीडियो गेम्स और मोबाइल गेम्स में तमाम ऐसे खेल खूब चाव से खेले जाते हैं, जिनका बेस भूल-भुलैया होता है। सदियों से देश-दुनिया में अनेक ऐसे भूल-भुलैया बनाए जाते रहे हैं, जो रोमांचक अनुभव दिलाने के साथ ही दिमागी वर्जिश भी खूब कराते हैं। यहां बता रहे हैं, दुनिया में प्रसिद्ध भूल-भुलैया कहां हैं, उनकी क्या विशेषता है, इनकी शुरुआत कैसे हुई और इनके प्रकार से जुड़ी रोचक बातें।

मस्ती के साथ कराए दिमागी वर्जिश भूल-भुलैया

एंज्वॉयमेंट / शिखर चंद जैन

आपने लखनऊ के इमामबाड़ा में, किसी फन पार्क या म्यूजियम में या किसी टूरिस्ट प्लेस पर भूल-भुलैया को जरूर एंज्वॉय किया होगा। पत्र-पत्रिकाओं में पजल सॉल्व करने के लिए भी इसका खूब प्रयोग किया होगा। इनकी विशेषताएं और उपयोगिताएं बहुत अनोखी होती हैं।

पौराणिक काल में मिले हैं प्रमाण

13वीं सदी की ग्रीक पौराणिक कथाओं में भी भूल-भुलैया जैसी संरचना और गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं। शुरू-शुरू में इन्हें भ्रमित करने या खेलने के लिए नहीं बल्कि आगंतुकों को आध्यात्मिक यात्रा पर भेजने के लिए बनाया गया था। इसका उद्देश्य उनके मन को शांत करना और आत्मनिरीक्षण करने के लिए था। इसमें एक ही घुमावदार रास्ते का अनुसरण किया जाता था।

बहुत पुराना है कॉन्सेप्ट

सबसे पहले भूल-भुलैया का दर्ज इतिहास, मिस्र में 5वीं शताब्दी ईसा पूर्व का मिलता है। प्राचीन यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस ने मिस्र की भूल-भुलैया का दौरा करने का दावा किया और इसे एक घुमावदार इमारत के रूप में वर्णित किया। ये हजारों कमरों से बनी थीं, जिनमें से कई भूमिगत थे और जिनमें मिस्र के राजाओं की कब्रें भी थीं। उन्होंने लिखा कि यूनानियों के सभी काम और इमारतें एक साथ मिलकर भी श्रम और खर्च के मामले में निश्चित रूप से इस भूल-भुलैया से कमतर होंगी। मध्यकाल तक दुनिया के 25 कैथेड्रल चर्च में भी ऐसी संरचनाएं हुआ करती थीं। यूरोप और अमेरिका के प्राचीनतम चित्रों और पेंटिंग्स में भी इनके होने के प्रमाण मिले हैं।

ध्यान के लिए भूल-भुलैया

मनोरंजक गेम के रूप में इस्तेमाल करने के साथ-साथ स्ट्रेस और एंग्जायटी दूर करने के लिए भी इसका उपयोग किया जाता है। दुनिया में कई जगह भूल-भुलैया का उपयोग वॉकिंग मेडिटेशन के लिए किया जाता है। भूल-भुलैया का उपयोग दुनिया भर में मन को शांत करने, मन को एकाग्र करने, चिंताओं से मुक्ति पाने, जीवन में संतुलन बनाए रखने, रचनात्मकता को बढ़ाने और ध्यान, सेल्फ रिफ्लेक्शन और तनाव को कम करने के लिए किया जाता है।

दो प्रकार के भूल-भुलैया

भूल-भुलैया के दो प्रकार माने जाते हैं। एक है लिबरिंथ और दूसरा हेज। लिबरिंथ अपेक्षाकृत आसान होती है। पर इसकी क्लासिकल डिजाइन इसे विशेष बनाती है, जबकि हेज पारंपरिक भूल-भुलैया है। यह जटिल होने के साथ-साथ इसमें लोगों के खो जाने की भी आशंका होती है। लिबरिंथ भूल-भुलैया एकतरफा होती हैं, जबकि हेज भूल-भुलैया शाखाओं में बंटी होती है। इसीलिए यह कठिन होती है।

दुनिया भर में हैं भूल-भुलैया

भूल-भुलैया का प्रचलन दुनिया भर में है। 90 से ज्यादा देशों में 6400 लिबरिंथ हैं। ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में इन से जुड़ी साप्ताहिक गतिविधियां होती हैं। यहां स्थानीय पार्क के अलावा अस्पतालों में भी लिबरिंथ बनाई गई हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू होकर, यूरोपीय राजघरानों ने अपनी संपत्ति पर विस्तृत हेज भूल-भुलैया बनाना शुरू कर दिया। भूल-भुलैया का उद्देश्य मनोरंजन करना था, साथ ही गुप्त बैठकों के लिए निजी, दूर-दराज के स्थान प्रदान करना था।

सबसे बड़ा-कठिन भूल-भुलैया

1980 के दशक में, चित्रकार क्रिस्टोफर मैनसन ने घोषणा की थी कि उनकी भूल-भुलैया पुस्तक में पहेली को सुलझाने वाले पहले व्यक्ति को 10,000 डॉलर का पुरस्कार दिया जाएगा। 45 पन्नों की इस सचित्र पुस्तक का शीर्षक है 'भूल-भुलैयाः दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण पहेली को सुलझाएं।' इसमें पाठकों से एक काल्पनिक घर के केंद्र तक पहुंचने का रास्ता खोजने और रास्ते में पहेलियां सुलझाने को कहा गया था। हालांकि यह काम अपेक्षाकृत सरल लग रहा था, लेकिन पहेलियां बेहद कठिन थीं। पहले विजेता को इसका हल ढूंढ़ने में लगभग दो साल लग गए थे। कुछ वर्ष पहले तक सबसे बड़ा अस्थायी मकई भूल-भुलैया 60 एकड़ में फैला हुआ था। 2014 में, कैलिफोर्निया के डिक्सन स्थित कूल पैच पंपकिंस के आगंतुकों को विशाल, घुमावदार अस्थाई भूल-भुलैया का आनंद लेने का अवसर मिला, जिसके बारे में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने पुष्टि की कि यह अब तक की सबसे बड़ी भूल-भुलैया थी। यह इतना बड़ा था कि कई पर्यटकों ने इसमें खो जाने के बाद अपनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल भी किया।

ये भी हैं दिलचस्प भूल-भुलैया

दुनिया की सबसे बड़ी हेज भूल-भुलैया में लगभग 2.5 मील लंबे रास्ते हैं। डोल प्लांटेशन का विशाल अनानास गार्डन भूल-भुलैया 14,000 उष्णकटिबंधीय पौधों से बनाया गया है। इसे 2008 में दुनिया में सबसे लंबा घोषित किया गया था। 2012 में, कलाकारों ने 250,000 किताबों से एक भूल-भुलैया बनाई। लंदन में पॉप-अप इंस्टॉलेशन 'अमेजमी' नाम से सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा चार दिनों में बनाया गया था। इसे देखने वालों ने क्लासिक साहित्य का आनंद लिया। ब्राजील के कलाकार मार्कोस सबोया और गुआल्टर पुपो ने इस संरचना को स्पेनिश भाषा के लेखक जेएल बोर्गेस के फिंगरप्रिंट के आकार की नकल करने के लिए डिजाइन किया था। *

वीडियो गेम्स में भूल-भुलैया

कई शुरुआती वीडियो गेम्स में भी भूल-भुलैया बनाई जाती थी। 1970 के दशक में, पेन-एंड-पेपर भूल-भुलैया वाली किताबें चलन में आ गई थीं। बच्चे और वयस्क समान रूप से अलग-अलग भूल-भुलैया चित्रों के माध्यम से एक रेखा खींचते थे, जितना संभव हो, उतना कम गलत मोड़ लेने की कोशिश करते थे। लगभग उसी समय, शुरुआती वीडियो गेम कंपनियों ने सरल 2D भूल-भुलैया गेम बनाना शुरू कर दिया, जो पेन-एंड-पेपर गेम के समान ही थे, जिसमें भूल-भुलैया या भूल-भुलैया पहेलियों के माध्यम से दौड़ शामिल थी।

अपने कुदरती सौंदर्य के लिए देश के मशहूर हिल स्टेशंस में सिक्किम का अलग ही महत्व है। बीती फरवरी में लेखक ने अपनी सिक्किम यात्रा के दौरान कई बेमिसाल नजारों का दीदार किया। उन अनुभवों को यहां साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

लाजवाब-मनमोहक सिक्किम के नजारे

यात्रा-अनुभव
समीर चौधरी

मेरा मानना है कि सैर करने वाले मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं। एक, जो बिना किसी योजना के यात्रा करते हैं। वह बिना किसी एजेंडा के ट्रिप पर निकल जाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं कि नई लोकेशन और नजारे उनके सामने अपने आप खुलते चले जाएंगे। दूसरे प्रकार के पर्यटकों में इस किस्म का समभाव नहीं होता है। वे अपनी छुट्टियां मनाने के लिए निश्चित कार्यक्रम बनाते हैं और उसी के अनुसार चलने का प्रयास करते हैं। मैं खुद को दूसरी श्रेणी में रखता हूं। लेकिन मेरी यह धारणा हाल में की गई सिक्किम यात्रा के बाद बदल गई।

सिक्किम टूर की प्लानिंगः हालांकि बचपन में मैं कई बार मसूरी जैसे हिल स्टेशन की यात्रा कर चुका हूं। लेकिन उससे आगे का हिमालय क्षेत्र मेरे लिए रहस्य ही रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए मैं हाल ही में एक सप्ताह के लिए सिक्किम की यात्रा पर गया। मैंने अपना कार्यक्रम बनाने में अधिक समय बर्बाद नहीं किया और जल्दी से इस पहाड़ी राज्य की टॉप साइट्स चुन लिया, जहां मुझे जाना था जैसे- नाथूला पास, गुरुडोंगमार झील और युमथांग घाटी।

बर्फीले सौंदर्य को देखने का सपनाः फरवरी में गंगटोक (सिक्किम की राजधानी) में कड़ाके की ठंड पड़ती है। मैं सुबह के समय इस शहर में पहुंचा था। उद्देश्य सिर्फ इसे देखना ही नहीं था बल्कि मैं उम्मीद कर रहा था कि मैं बर्फीली चोटियों के बीच होऊंगा। मैंने इस समय यहां जाने का इसलिए निर्णय लिया था ताकि सिक्किम को उसके जाड़े के पूर्ण वैभव में देख सकूं, यह जानते हुए भी कि कुछ चुनौतियों का अवश्य सामना करना पड़ेगा।

नहीं देख सका कंचनजंगाः जब मैं पहुंचा तो ठंडे गंगटोक ने मेरा स्वागत किया। बादल भरे आसमान में सूरज तो बस दिल को तसल्ली भर दे रहा था। देर शाम तक मेरे मुंह से कार्बन डाइऑक्साइड गहरे जमे धुएं की तरह ऐसे निकल रही थी, जैसे मैं चेन स्मोकिंग कर रहा हूं। सिक्किम की राजधानी में मैंने बाजारों और मठों को देखा, दिन में थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोशनी की किरण दिख जाती थी। मेरे लिए आकर्षण के स्पॉट्स वह थे, जहां से मैं दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी (8,586 मीटर) कंचनजंगा को बिना किसी बाधा के देख सकूं। जब मैं एक ऐसे ही स्पॉट पर पहुंचा तो मेरे गाइड (जो चालक की भूमिका में भी था) ने धुंध की एक मोटी परत की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब आसमान साफ होता है तो दूर से ही कंचनजंगा को धूप में नहाते हुए देखा जा सकता है। मैंने धुंध भरे क्षितिज को कई बार अपनी आंखों से भेदने का प्रयास किया, लेकिन अफसोस कि मैं नाकाम रहा, कंचनजंगा नहीं दिखा।

दिखे दिलकश नजारेः अगली सुबह मुझे नाथू ला जाना था। गाइड ने बताया कि भारी बर्फबारी की वजह से सड़क बंद हो गई है। नाथू ला जाने के लिए पर्यटक परमिट लेना पड़ता है। वह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मेरी हॉलिडे योजना पर ठंडी बर्फ गिर गई। इससे अगले दिन मुझे बताया गया कि गुरुडोंगमार झील भी नहीं जाया जा सकता। सड़कों पर से बर्फ हटाने में कई दिन लगेंगे। मुझे मेरे मनचाहे नजारों के बजाय केवल सिक्किम के जाड़ों का अहसास मिल रहा था। गाइड के सुझाव पर मैंने उत्तरी सिक्किम में छोटे से टाउन लाचुंग जाने का प्लान बनाया। मेरे गाइड ने कहा, 'जब आप इतनी दूर आ ही गए हैं तो मैं आपको बर्फ दिखाए बिना नहीं जाने दे सकता।' हम एक पतली, नागिन की तरह लहराती पगडंडी पर पहाड़ की तरफ जाने लगे। जल्द ही ढलान पर कोनिफर (शंकुधर वृक्ष) दिखाई देने लगे। जैसे-जैसे हम ऊपर चढ़ते गए पेड़ फ्रॉस्ट से मोटे होते चले गए। सड़क के दोनों किनारों पर और पहाड़ों पर कारपेट की तरह बर्फ जम गई थी। पूजा ध्वज फड़फड़ा रहे थे, शांत पुल के नीचे नदी बह रही थी।

अगली दोपहर मेरे होटल की खिड़की के बाहर की दुनिया अचानक धुंधली हो गई। हजारों रूई की गेंदें आसमान में तैर रही थीं। मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा था। मैं होटल के कमरे से बाहर निकल आया। एक सप्ताह की निराशा के बाद मैं स्नोफॉल देख रहा था। हर जगह बर्फ की मोटी परत जम चुकी थी। जब हम गंगटोक लौट रहे थे तो बर्फ के टुकड़े हमारी कार पर गिर रहे थे। गंगटोक से घर लौटने पर मैं सोचने लगा कि जो कार्यक्रम बनाया था, वह तो फेल हो गया, लेकिन जो अनिश्चित-अनपेक्षित देखने को मिला, वह सुंदर और यादगार था। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट
कीर्तिशेखर

जिस तरह एक समय तक अच्छी जॉब-करियर के लिए पढ़ा-लिखा होना जरूरी होता था, आज के दौर में डिजिटल लिटरेसी का करियर ग्रोथ में बहुत ज्यादा महत्व हो गया है। इसकी इंपॉर्टेंस के बारे में जानिए।

करियर ग्रोथ के लिए जरूरी डिजिटल लिटरेसी

आज के दौर में अगर आप डिजिटली लिटरेट नहीं हैं, तो चाहे आपके पास जितनी डिग्रियां हों, चाहे जितने बुद्धिमान हों, करियर में ग्रो करना आपके लिए संभव नहीं होगा। आजकल तो करियर के मामले में लिटरेसी का मतलब ही हो गया है डिजिटल लिटरेसी।

क्या है डिजिटल लिटरेसीः डिजिटल लिटरेसी का मतलब, हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहायक विभिन्न तकनीकों के इस्तेमाल में दक्ष होना है। तकनीकी डिवाइसेस को समझना और इन प्लेटफॉर्म्स में काम करना आना भी सही मायने में डिजिटल लिटरेसी का मतलब है।

कई करियर ऑप्शंस तक पहुंचः अगर आप डिजिटल स्किल्स में माहिर हैं, तो आपके सामने विभिन्न तरह के करियर ऑप्शंस हर समय मौजूद रहेंगे। आप ज्यादा से ज्यादा विकल्पों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मसलन, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइन या कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आपके लिए भरपूर अवसर उपलब्ध रहेंगे। यही नहीं अगर आप वर्क फ्रॉम होम और गिग इकोनॉमिक्स से जुड़े हैं तो भी आपके लिए डिजिटल स्किल्स का होना बहुत जरूरी है।

बढ़ती है प्रोडक्टिविटीः अगर आप डिजिटली लिटरेट हैं तो विभिन्न तरह के डिजिटल टूल्स जैसे एक्सेल, सीआरएम सॉफ्टवेयर और गूगल वर्क स्पेस का इस्तेमाल करके अपने काम में तेजी और क्वालिटी ला सकते हैं। समय बचाने वाले उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको कॉम्पिटिशन में आगे रखेगा और अगर आप डिजिटली एफिशिएंट नहीं हैं तो चाहे जितने पढ़े-लिखे हों और चाहे जितने इंटेलीजेंट हों, आपकी प्रोडक्टीविटी और एफिशिएंसी दोनों ही पीछे रह जाएंगी। टाइम सेविंग उपकरण और सॉफ्टवेयर का सही उपयोग आपको प्रतिस्पर्धा में आगे रखता है।

जॉब सर्च-नेटवर्किंग में सुविधाः अगर आप डिजिटल लिटरेट हैं तो लिंक्ड इन, ग्लास डोर और दूसरे जॉब प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करके अपने लिए बेहतर से बेहतर जॉब्स खोज सकते हैं। डिजिटल नेटवर्किंग के जरिए आप अपने क्षेत्र विशेष के लोगों से जुड़कर अपने लिए नए-नए अवसर पैदा कर सकते हैं। साथ ही नवीनतम ट्रेंड्स और टेक्नोलॉजी से परिचित होने के कारण न सिर्फ आपका परफॉर्मेंस अपग्रेड रहता है बल्कि लोगों के बीच इज्जत भी ज्यादा मिलती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लॉक चेन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में काम करने के लिए यह बेसिक स्किल बहुत जरूरी है।

सेल्फ एंप्लॉयमेंट में हेल्पफुलः अगर आप अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वेबसाइट का उपयोग करना चाहते हैं, सोशल मीडिया मार्केटिंग का हिस्सा बनना चाहते हैं और ऑनलाइन पेमेंट पाने के लिए, पेमेंट गेटवे बनवाना चाहते हैं, तो आपको डिजिटली लिटरेट होना बहुत जरूरी है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचना भी तभी संभव है, जब आप डिजिटली एक्सपर्ट होंगे।

अगर पीछे रह गए तोः अगर इतनी जरूरत साबित होने के बाद भी आप डिजिटल इलिटरेट रह जाते हैं तो इसका आपको अपने करियर में कई तरह से नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। मसलन, डिजिटल स्किल्स न होने पर आपको जॉब से बाहर कर दिया जा सकता है। विशेषकर मार्केटिंग फाइनेंस के फील्ड में। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल न करने पर अपने सहकर्मियों से परफॉर्मेंस में बहुत ज्यादा पिछड़ सकते हैं। डिजिटल लिटरेसी की कमी के कारण आपको अच्छी सैलरी वाली जॉब नहीं मिल सकती। खासकर जिन जॉब्स में आटोमेशन और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बहुत ज्यादा बढ़ गया है, वहां तो आपका टिकना भी मुश्किल हो सकता है। डिजिटल लिटरेसी न होने पर आपके साथ कई तरह के ऑनलाइन फ्रॉड कभी भी हो सकते हैं। *

ऐसे सुधारें डिजिटल लिटरेसी

कई तरह के उपलब्ध ऑनलाइन कोर्सेस मसलन यूडेमी, स्किल्स शेयर और कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म्स का फायदा उठाएं। बेसिक कंप्यूटर स्किल्स से लेकर एडवांस टूल्स तक सब कुछ सीख सकते हैं, बशर्ते कोशिश करें। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के विभिन्न सॉफ्टवेयर जैसे वर्ड, एक्सेल, पावर प्वाइंट और गूगल वर्क स्पेस और वीडियो कांफ्रेंसिंग एप जैसे जूम, एमएस स्ट्रीम का अभ्यास करें। इसी तरह फेसबुक, इंस्टाग्राम और लिंक्ड इन जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और एसईओ, पीपीसी और कंटेंट मार्केटिंग जैसे टूल्स सीखें। इसके अलावा साइबर सुरक्षा की समझ बढ़ाएं और रियल लाइफ में ज्यादा से ज्यादा डिजिटल लाइफ की प्रैक्टिस करें। मसलन, ऑनलाइन बिल पेमेंट करें, डिजिटल कैलेंडर का इस्तेमाल करें और ई-कॉमर्स साइट्स पर शॉपिंग करें। इन गतिविधियों से आप डिजिटली लिटरेट हो जाएंगे।

सिने-ट्रेंड
हेमंत पाल

शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में प्रेम आधारित कितनी ही फिल्में बनीं और जबर्दस्त सफल हुईं। लेकिन बीते कुछ वर्षों में ऐसी कई फिल्में भी खूब हिट हुईं, जिनमें प्यार का एंगल न के बराबर था, तो क्या मान लिया जाए कि लव-बेस्ड फिल्मों का जादू कम होने लगा है?

कम हो रहा लव-बेस्ड फिल्मों का जादू!

मोहब्बत की यादगार दास्तान 'मुगल-ए-आजम'

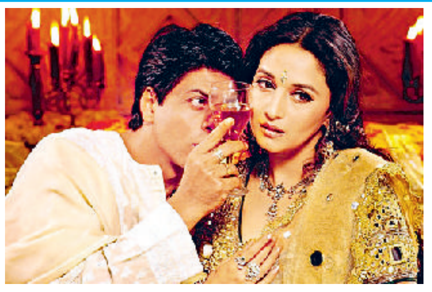
एक ट्रैजिक प्रेम कहानी 'देवदास'

प्रेम जीवन का ऐसा कोमल अहसास है, जिसे कहीं से भी मोड़कर उसे कथानक का रूप दिया जा सकता है। हिंदी फिल्मों की बात करें तो कई दशकों तक प्रेम, फिल्मों के लिए सबसे मुफीद विषय रहा। अब तक जितनी भी फिल्में बनीं, उनमें सबसे ज्यादा फिल्मों के विषय प्यार-मोहब्बत के इर्द-गिर्द ही घूमते रहे हैं।

फिल्मों में जरूरी तत्व रहा प्रेमः शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट के दौर से रंगीन फिल्मों तक में जो बात हर दौर में कॉमन रही, वो है-प्रेम कहानियां। फिल्मों की कहानी का आधार चाहे एक्शन हो, सामाजिक हो, कॉमेडी या फिर हॉरर, हर कहानी में कोई न कोई लव स्टोरी जरूर होती रही। देखा जाए तो अन्य विषयों पर बनी फिल्मों में भी कथानक को आगे बढ़ाने में प्रेम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लंबी है प्रेमाधारित फिल्मों की फेहरिस्तः हिंदी सिनेमा में अमर प्रेम कथाओं की फेहरिस्त काफी लंबी है। 'मुगले आजम', 'आवारा', 'कागज के फूल', 'प्यासा', 'साहिब बीवी और गुलाम', 'पाकीजा', 'कश्मीर की कली', 'आराधना', 'बॉबी', 'सिलसिला', 'देवदास', 'मैंने प्यार किया', 'कयामत से कयामत तक', 'एक दूजे के लिए', 'दिल है कि मानता नहीं', 'लव स्टोरी', 'साजन', 'दिल', 'उमराव जान', '1942 ए लव स्टोरी', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ-कुछ होता है', 'रंगीला', 'कल हो न हो', 'जब वी मेट', ऐसी कितनी ही फिल्मों में प्रेम को प्रमुखता से दर्शाया गया है।

दर्शकों को खूब आए पसंद 'बजरंगी भाईजान'

नए दौर की फिल्मी लव स्टोरीजः समय बदलने के साथ जैसे युवाओं की सोच बदली, उनके प्यार करने का तरीका भी बदला। इसे भी फिल्मी पर्दे पर बखूबी दर्शाया गया। नई पीढ़ी के प्रेम के रंग-ढंग को दर्शाती फिल्मों में 'रहना है तेरे दिल में', 'बचना ए हसीनों', 'सलाम नमस्ते', 'लव आजकल', 'ये जवानी है दीवानी', 'वेकअप सिड', 'अजब प्रेम की गजब कहानी', 'रॉक स्टार', 'बर्फी', 'टू स्टेट्स', 'आशिकी-टू', 'कॉकटेल', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'तनु वेड्स मनु', 'मसान', 'तमाशा', 'ऐ दिल है मुश्किल', 'बरेली की बर्फी' जैसी अनेक फिल्मों का जिक्र किया जा सकता है।

दर्शकों को पसंद आता प्यार का अहसासः फिल्मों का कथानक कितना भी नयापन लिए हो, उसका मोहब्बत से दूर-दूर तक वास्ता न हो, फिर भी उसमें एक प्रेम कहानी जरूर पनपती है। क्योंकि प्रेम जीवन की वो शाश्वत सच्चाई है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। भारतीय दर्शक के जीवन में मोहब्बत के अलग ही मायने हैं और इन्हीं भावनाओं को वो हर पल जीता है। उसे 'मुगले आजम' की सलीम और अनारकली का इश्क कामयाब न होना उतना ही सालता है, जितना 'सदमा' में श्रीदेवी और कमल हासन का बिछड़ना! दरअसल, सामान्य जिंदगी में भी प्रेम कथाओं की कमी नहीं होती, पर दर्शक फिल्मों के जरिए अपनी मोहब्बत के अधूरे सपनों को जीता है। फिल्म बनाने वालों ने भी दर्शकों की इस कमजोरी को अच्छी तरह समझ लिया। फिल्मों के हर कथानक में एक लव स्टोरी इसलिए ही होती है। लेकिन लगता है अब धीरे-धीरे ये फार्मूला भी दरकने लगा। क्योंकि, नई पीढ़ी को ऐसी प्रेम कथाएं रास नहीं आतीं।

एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी 'नीरजा'

बदल रहे फिल्मों के विषयः लव स्टोरी बेस्ड फिल्मों के शानदार अतीत के बावजूद बीते कुछ सालों में आई कई फिल्मों के कथानकों में प्रेम नदारद था या न के बराबर था। यदि किसी फिल्म में प्रेम-प्रसंग था भी, तो महज कहानी को आगे बढ़ाने के लिए थे। 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान', 'दंगल', 'रुस्तम', 'नीरजा', 'पिंक', 'कहानी', 'एयरलिफ्ट', 'निल बटे सन्नाटा', 'उड़ता पंजाब', 'एम.एस. धोनी' से लेकर 'काबिल' और 'जॉली एलएलबी-2' तक में प्रेम का एंगल न के बराबर रहा। रहा भी तो महज कथानक को आगे बढ़ाने के लिए। सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' और 'सुल्तान' दोनों ही फिल्मों में नायक-नायिका के बीच प्रेम तो दिखाया गया है, लेकिन ये फिल्में कहीं से भी प्रेम-कहानी नहीं है। अक्षय कुमार की 'रुस्तम' की कहानी का आधार कोर्ट केस ही रहता है। सोनम कपूर की फिल्म 'नीरजा' तो पूरी तरह एक एयर होस्टेस के कर्तव्य की कहानी है। वास्तव में प्रेम कहानी को हाशिए पर रखकर फिल्मों में कुछ नया, कुछ अलग दिखाने का ये ट्रेंड धीरे-धीरे आया और सफल भी हुआ। तो क्या ये मान लिया जाए कि हिंदी फिल्मों में मोहब्बत के कॉन्सेप्ट को लेकर दर्शकों में क्रेज नहीं रहा! ऐसी लवस्टोरीज हाशिए पर जा रही हैं! *